twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 22 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 246, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

उपराष्ट्रपति ने स्वास्थ्य कारणों से दिया पद से इस्तीफा

स्वास्थ्य का दिया हवाला; राष्ट्रपति को सौंपा त्यागपत्र

नई दिल्ली/एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजे पत्र में बताया कि उनका यह निर्णय चिकित्सीय परामर्श पर आधारित है। अपने त्यागपत्र में धनखड़ ने राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हुए उनके साथ कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि उन्हें इस कार्यकाल में बहुत कुछ सीखने को मिला। धनखड़ ने सांसदों से मिले स्नेह, विश्वास और सम्मान को अपनी स्मृतियों में सहेजने की बात कही। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए मिले अनुभवों और ज्ञान को अमूल्य बताया। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति और ऐतिहासिक बदलावों का साक्षी बनना उनके लिए गर्व की बात रही। अपने पत्र में उन्होंने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और देश के उज्ज्वल भविष्य में अटूट विश्वास जताया। उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ 11 अगस्त 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत इस्तीफा दिया है। उपराष्ट्रपति का कार्यभार संभालने से पूर्व वे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और राजस्थान से सांसद रह चुके हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में वे राज्यसभा के सभापति की भूमिका भी निभा रहे थे।

कितने उपराष्ट्रपति कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए?

1. वीवी गिरी (मई 1967-मई 1969)
1969 में तत्कालीन राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के निधन के बाद उपराष्ट्रपति पद छोड़ दिया था और राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा था। उन्हें राष्ट्रपति चुनाव में जीत भी मिली थी। हालांकि, उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले वे पहले उपराष्ट्रपति थे।

2. कृष्ण कांत (अगस्त 1997-जुलाई 2002)
1997 में उपराष्ट्रपति बनने वाले कृष्ण कांत का 27 जुलाई 2002 को उपराष्ट्रपति रहते हुए दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वे 75 वर्ष के थे। वे भारत के इकलौते उपराष्ट्रपति हैं, जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हो गया था।

जगदीप धनखड़ का बचपन और पढ़ाई

जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई 1951 को राजस्थान के झुंझनू जिले के किठाना में हुआ था। पिता का नाम गोकल चंद और मां का नाम केसरी देवी है। जगदीप अपने चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर आते हैं। शुरूआती पढ़ाई गांव किठाना के ही सरकारी माध्यमिक विद्यालय से हुई। गांव से पांचवीं तक की पढ़ाई के बाद उनका दाखिला गरधाना के सरकारी मिडिल स्कूल में हुआ। इसके बाद उन्होंने चित्तौड़गढ़ के सैनिक स्कूल में भी पढ़ाई की। 12वीं के बाद उन्होंने भौतिकी में स्नातक किया। इसके बाद राजस्थान विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। 12वीं के बाद धनखड़ का चयन आईआईटी और फिर एनडीए के लिए भी हुआ था, लेकिन नहीं गए। स्नातक के बाद उन्होंने देश की सबसे बड़ी सिविल सर्विसेज परीक्षा भी पास कर ली थी। हालांकि, आईएएस बनने की बजाय उन्होंने वकालत का पेशा चुना। उन्होंने अपनी वकालत की शुरूआत भी राजस्थान हाईकोर्ट से की थी। वे राजस्थान बार काउंसिल के चेयरमैन भी रहे थे।

जगदीप धनखड़ का व्यक्तिगत विवरण
नाम- जगदीप धनखड़
जन्म- 18 मई, 1951
पिता- गोकल चंद
माता- केसरी देवी
पत्नी- डॉ. सुदेश धनखड़
जन्म स्थान- किठाना, झुंझुनू, राजस्थान
जगदीप धनखड़ एक खेल प्रेमी भी हैं। वे राजस्थान ओलंपिक संघ और राजस्थान टेनिस संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। जगदीप धनखड़ को संगीत सुनना और यात्रा करने का शौक है। उन्होंने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन, हांगकांग, सिंगापुर समेत कई देशों की यात्रा की है।

राजस्थान से रायसीना हिल्स तक का सफर... 2022 में भारत के 14वें उपराष्ट्रपति बने

नई दिल्ली/एजेंसी
11 अगस्त 2022 में भारत के 14वें उपराष्ट्रपति बने जगदीप धनखड़ ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसके पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। जगदीप धनखड़ एक प्रख्यात वकील और पश्चिम बंगाल के पूर्व-राज्यपाल भी रह चुके हैं। बता दें कि धनखड़ को छह अगस्त को उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया था। जगदीप धनखड़ ने विपक्ष की मार्गरेट अल्वा के खिलाफ जीत हासिल की थी।

जगदीप धनखड़ का राजनीतिक सफर
जगदीप धनखड़ ने अपनी राजनीति की शुरूआत जनता दल से की थी। 1989 में झुंझुनू से सांसद बने। पहली बार सांसद चुने जाने पर ही उन्हें बड़ा इनाम मिला। 1989 से 1991 तक वीपी सिंह और चंद्रशेखर की सरकार में उन्हें केंद्रीय मंत्री भी बनाया गया था। हालांकि, जब 1991 में हुए लोकसभा चुनावों में जनता दल ने जगदीप धनखड़ का टिकट काट दिया तो वह पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए और अजमेर के किशनगढ से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर 1993 में चुनाव लड़ा और विधायक बने। 2003 में उनका कांग्रेस से मोहभंग हुआ और वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।

बिहार में जोड़े गए 12,817 नए मतदान केंद्र

नई दिल्ली/एजेंसी
बिहार सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से कम रखने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इसके लिए राज्य में 12,817 नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इससे राज्य में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 77,895 से बढ़कर 90,712 हो गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। आयोग ने बताया कि मतदाता केंद्रों पर भीड़ कम करने के लिए 24 जून को जारी बिहार एसआईआर आदेश के तहत यह निर्णय लिया गया है। पहले प्रत्येक मतदान केंद्र पर 1500 मतदाताओं की सीमा थी। इसे घटाकर 1200 कर दिया गया है। एसआईआर के मुद्दे पर आयोग ने बताया कि 12 प्रमुख राजनीतिक दलों से उन मतदाताओं की सूची साझा की गई है जिनसे अभी तक फॉर्म नहीं भरे गए हैं या वे पते पर नहीं मिले हैं। संबंधित राजनीतिक दलों से कहा गया है कि वे अपने जिला स्तर के प्रतिनिधियों और लगभग 1.5 लाख बीएलए के माध्यम से इन मतदाताओं से संपर्क स्थापित करें और सुनिश्चित करें कि वे 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली अंतिम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल हों। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत अब तक कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से 7,16,03,218 मतदाताओं ने गणना फॉर्म भरे हैं। यह कुल मतदाताओं का 90.67 प्रतिशत है। इनमें से 7,08,59,670 फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं।

ईपीएफओ ने मई महीने में शुद्ध रूप से रिकॉर्ड 20.06 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली/एजेंसी
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मई महीने में शुद्ध रूप से 20.06 लाख सदस्यों को जोड़ा है, जो अबतक का रिकॉर्ड सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इन सदस्यों में 9.42 लाख नए कर्मचारी भी शामिल हैं। मई महीने का ये आंकड़ा अप्रैल, 2025 की तुलना में 4.79 फीसदी और मई, 2024 के मुकाबले 2.84 फीसदी अधिक है। यह आंकड़ा अप्रैल, 2018 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले अंशधारकों की निगरानी शुरू होने के बाद से दर्ज सबसे अधिक बढ़ोतरी है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर 24 जुलाई को होंगे हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी के साथ गोयल रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली/एजेंसी
भारत और ब्रिट्रेन बीच बहुप्रतिक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मौजूद होंगे। दोनों देशों ने 6 मई को व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि केंद्रीय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ लंदन जाएंगे। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इसे लागू होने में लगभग एक साल लगेगा दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इसको लागू करने से पहले ब्रिटिश संसद और भारत के मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरूरत होगी। व्यापार समझौते में श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों के निर्यात पर कर हटाने का प्रस्ताव है, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता करने का प्रस्ताव है, ताकि 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार दोगुना होकर 120 अरब यूएस डॉलर तक पहुंच सके।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो एक निष्पक्ष एजेंसी: नायडू

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) एक निष्पक्ष एजेंसी है। एएआईबी की प्रक्रिया पूरी तरह से नियमों पर आधारित है और वे पूरी तरह से निष्पक्ष हैं। केंद्रीय मंत्री नायडू ने राज्यसभा में अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच से संबंधित एक सवाल पर कहा कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स से सभी डेटा को सफलतापूर्वक डिकोड कर लिया है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का पालन करते हुए क्षतिग्रस्त ब्लैक बॉक्स के डेटा का घरेलू स्तर पर

विश्लेषण करने पर जोर दिया। जांच का पहला चरण पूरा हो चुका है और प्रारंभिक रिपोर्ट आ चुकी है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है।

इससे पहले जब भी ब्लैक बॉक्स में मामूली क्षति होती थी, तो उसे डिकोडिंग के लिए निमार्ता के पास भेजा जाता था। पहली बार, ब्लैक बॉक्स की डिकोडिंग भारत में हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों में कोई भेदभाव नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, "जमीन पर मारे गए यात्रियों और अन्य लोगों, या दुर्घटनास्थल के पास स्थित मेडिकल कॉलेज में मारे गए छात्रों, सभी को मुआवजा एक जैसा ही दिया गया है।" स्वीकृत क्षमता के 50 प्रतिशत पर काम करने से संबंधित एक सवाल पर उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में विमानों और यात्रियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। मंत्री ने और पदों की भी सिफारिश की है। उल्लेखनीय है कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 260 लोगों की मौत हो गयी थी।

चीन सीमा पर दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा तैयार

एलएसी से 50 किमी. दूर न्योमा एयरफील्ड से चीन और पाकिस्तान का मुकाबला करने में होगी आसानी

नई दिल्ली/एजेंसी
चीन से लगी सीमा के पास दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा लगभग तैयार हो गया है और अक्टूबर तक चालू हो जाएगा। अब वास्तविक नियंत्रण रेखा से 50 किलोमीटर दूर न्योमा एयरफील्ड को अपग्रेड कर-के तैयार किये गए इस हवाई अड्डे से मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई विमान उड़ान भर सकेंगे। न्योमा हवाई अड्डा से भारत चीनी सेना के झिंजियांग सैन्य क्षेत्र और पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में बेस कादरी का मुकाबला करने में सक्षम होगा।

दरअसल, लेह और थोइस के अलावा लद्दाख में लड़ाकू विमानों के लिए एक वैकल्पिक ऑपरेटिंग बेस की जरूरत महसूस की गई, क्योंकि मौसम की स्थिति ने इन दोनों अड्डों की परिचालन क्षमता को प्रभावित किया था। इसके लिए भारतीय वायु सेना ने लद्दाख में स्थित दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ), न्योमा और फुकचे का अध्ययन किया, ताकि यह समझा जा सके कि इनमें से किसका इस्तेमाल लड़ाकू अभियानों के लिए किया जा सकता है। फिलहाल 16,600 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई युद्ध क्षेत्र होने के बावजूद बेग ओल्डी (डीबीओ) इसलिए बेहतर नहीं माना गया, क्योंकि यह चीनियों की नजर के भीतर है। दूसरी तरफ, फुकचे में रनवे का विस्तार करने और अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण की क्षमता सीमित थी, इसलिए पलड़ा न्योमा के पक्ष में झुक गया।

श्रीहरिकोटा से उपग्रह 'निसार' का प्रक्षेपण 30 जुलाई को होगा: इसरो

नई दिल्ली/एजेंसी
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नासा का संयुक्त मिशन 'निसार' उपग्रह 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से शाम 5 बजकर 40 मिनट पर लॉन्च होगा। 1.5 बिलियन डॉलर का यह मिशन पृथ्वी की सतह की निगरानी में मददगार होगा। निसार उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में मदद करेगा। सोमवार को इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट करके जानकारी दी कि नासा के साथ संयुक्त उपग्रह निसार का

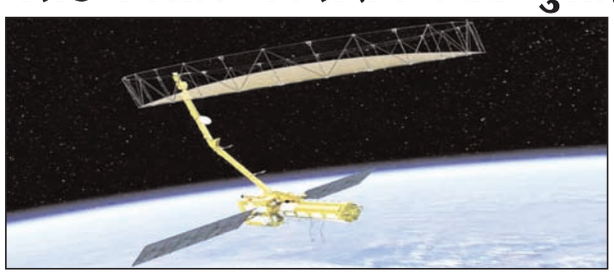

प्रक्षेपण करने के लिए तैयार हैं। 30 जुलाई, 2025 को भारतीय समयानुसार श्रीहरिकोटा से पहले संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार का प्रक्षेपण किया जाएगा। निसार हर 12 दिनों में पूरे पृथ्वी को स्कैन करेगा और उच्च-रिजॉल्यूशन, सभी मौसमों, दिन-रात के आंकड़े प्रदान करेगा। यह पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तनों का भी पता लगा सकता है। जैसे जमीन का विरूपण, बर्फ की चादर में बदलाव और वनस्पति की गतिशीलता। यह मिशन समुद्री बर्फ की निगरानी, जहाजों का पता लगाने, तूफान पर नजर रखने, मिट्टी की नमी में बदलाव, सतही जल मानचित्रण और आपदा प्रतिक्रिया सहित कई महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में सहायक होगा। इसरो ने कहा कि नासा, जेपीएल के बीच एक दशक से भी ज्यादा के सहयोग में एक मील का पत्थर साबित होगा।

उल्लेखनीय है कि निसार उपग्रह दुनिया में अपनी तरह का पहला उपग्रह है जो प्रत्येक 12 दिनों पर समूची पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा। यह एक सेंटीमीटर स्तर तक की सटीक फोटो खींचने व प्रसारित करने में सक्षम है।

जून में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 1.7 फीसदी पर

नई दिल्ली/एजेंसी
देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में घटकर 1.7 फीसदी रही है। पिछले साल इसी अवधि में आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ा था। इससे पिछले महीने मई में इन उद्योगों का उत्पादन 1.2 फीसदी बढ़ा था। इस महीने बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि मई की तुलना में थोड़ा बेहतर रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि पांच प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक और बिजली के उत्पादन में जून में गिरावट आई। हालांकि, जून में रिफाइनरी के उत्पाद में (3.4 फीसदी), इस्पात (9.3 फीसदी) और सीमेंट (9.2 फीसदी) की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, कोयला के उत्पादन में 6.8 फीसदी, जबकि कच्चे तेल के उत्पादन में 1.2 फीसदी, प्राकृतिक गैस तथा उर्वरक के उत्पादन में क्रमशः 2.8 फीसदी और 1.2 फीसदी की गिरावट आई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सड़क तंत्र सुदृढ़ीकरण को लेकर की बैठक

अंतर्राज्यीय सड़कों को प्राथमिकता से सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

सड़कों के नवीनीकरण व मरम्मत कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्ता से किया जाए पूर्ण

चंडीगढ़/एजेंसी
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में सड़क तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अंतर्राज्यीय सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करने के

निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा में प्रवेश करने वाली सभी सड़कें दुरुस्त होनी चाहिए, ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री आज यहां प्रदेश में सड़कों के नवीनीकरण व मरम्मत से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मरम्मत एवं विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सड़कों को गड्ढा-मुक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही मोबाइल ऐप की प्रगति की भी समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि हर विभाग अपनी सभी सड़कों को शत-प्रतिशत चिह्नित कर जल्द से जल्द ऐप पर अपलोड करना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिए कि मोबाइल ऐप सरल होनी चाहिए ताकि आमजन उसका आसानी से उपयोग कर सके।

इस एप्लीकेशन में आमजन प्रदेश में क्षतिग्रस्त सड़कों या सड़कों में गड्ढों की शिकायत दर्ज कर सकेंगे, इससे त्वरित निपटान सुनिश्चित करते हुए सड़कों का सुधार किया जाएगा।

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, बोले- यात्रा को बदनाम करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार दोपहर मेरठ पहुंचे। हाईवे से गुजर रहे कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा के दौरान भक्तों से सतर्क और जिम्मेदार रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां श्रद्धा और भक्ति का माहौल है, वहां कुछ लोग इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके ऊपर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा को निशाना बना रहे हैं। सीएम योगी ने कांवड़ियों से अपील की कि वे अपने बीच छिपे उपद्रवियों को पहचानें और तुरंत प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने कहा, भगवान शिव मंगलकारी देवता हैं। कांवड़ यात्रा में सभी भक्तों को एक-दूसरे की परेशानियों का ध्यान रखना चाहिए। हमारा दायित्व है कि यात्रा के दौरान स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखें। कोई भी शिव भक्त कानून को अपने हाथ में न ले और किसी भी गलत गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दे। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि जो लोग कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ

सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज मौजूद हैं। दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार कांवड़ यात्रा को भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक मानती है। सभी शिव भक्तों से मेरी विनम्र अपील है कि वे इस पवित्र यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करें। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। स्वच्छता और सुरक्षा के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं, और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ पहुंचने से पहले रविवार को ही गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने दूधेश्वरनाथ मंदिर जाकर भाजपा नेताओं के साथ दर्शन-पूजन किया। सीएम के दौरे को लेकर मंदिर के आसपास सुरक्षा चाक-चौबंद रही। इस दौरान सांसद अतुल गर्ग और भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने भी मंदिर में दर्शन किए। दूधेश्वरनाथ मंदिर के महंत महेंद्र नारायण गिरी ने बताया कि सीएम योगी से कॉरिडोर को लेकर वार्ता हुई, मंदिर के बाहर की दुकानें हटाई जाएंगी, सड़क का चौड़ीकरण होगा, और अधिकारियों को भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में बड़ी सफलता, मुख्य आरोपी तौशीफ कोलकाता से गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। चर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह सहित कुल चार संदिग्धों को कोलकाता के आनंदपुर स्थित एक गेस्टहाउस से हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार ले जाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सभी आरोपी सीधे तौर पर पटना कांड से जुड़े हुए हैं या नहीं। बता दें कि 17 जुलाई को पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित पारस हॉस्पिटल में चंदन कुमार मिश्रा को गोली मार दी गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पटना पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, इनपुट और अन्य पहलुओं पर गहनता से जांच की गई। इसी क्रम में कोलकाता पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह को हिरासत में लिया गया। साथ ही, निशु खान और एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा गया है।

भारतीय सेना को 15 महीने की देरी से 22 जुलाई को मिलेंगे तीन अपाचे हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली। भारतीय सेना के लिए तीन अपाचे एएच-64ई लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का पहला बैच 22 जुलाई को भारत पहुंचने वाला है। शेष तीन हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति वर्ष के अंत तक होने की उम्मीद है। सेना के लिए छह अपाचे हेलीकॉप्टरों का सौदा लगभग 80 करोड़ डॉलर का था। ये हेलीकॉप्टर उन्नत सुविधाओं से लैस होंगे, जिनमें लॉन्ग रडार, हेलफायर मिसाइलें, हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट और अन्य सटीक प्रहार प्रणालि?यां शामिल हैं।

अपाचे हेलीकॉप्टर उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से बख्तरबंद खतरों का मुकाबला करने में प्रभावी होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पिछले साल अमेरिकी यात्रा ?पर सेना को अपाचे हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया था, लेकिन इसके बावजूद डिलीवरी में करीब 15 माह की देरी हुई है।? यूएस निर्मित एएच-64ई हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में देरी की वजह बोइंग? कंपनी की सप्लाई चेन बाधित होना है, जिससे उत्पादन धीमा हो गया है। भारतीय सेना ने अमेरिका से 2020 में छह एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर हासिल करने के लिए लगभग 80 करोड़ डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे। समय पर आपूर्ति मिलने की उम्मीद में सेना ने पिछले साल 15 मार्च को जोधपुर में अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की पहली स्क्वाड्रन भी बना ली थी। दरअसल, अमेरिकी कंपनी बोइंग को ऑर्डर दिए जाने के बाद यूएस डिफेंस प्रायोरिटी एंड एलोकेशन सिस्टम्स प्रोग्राम (डीपीएएस) पर भारत की रेटिंग कम होने से संबंधित कुछ मुद्दे थे, लेकिन अप्रैल-मई में इसे सुलझा लिया गया था। डीपीएएस से संबंधित मुद्दों में इंजन, गियरबॉक्स और हथियारों सहित अपाचे पर लगे 22 महत्वपूर्ण घटक शामिल थे। अमेरिका डीपीएएस का उपयोग सैन्य, मातृभूमि सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और अन्य आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला में रक्षा-संबंधी अनुबंधों को प्राथमिकता देने के लिए करता है। इसका उपयोग विदेशों को सैन्य या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान करने के लिए भी किया जाता है।

आईसीएमआर ने तैयार किया मलेरिया से बचाव का स्वदेशी टीका, जल्द शुरू होगा निर्माण

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने एक नई स्वदेशी मलेरिया वैक्सीन एडफाल्सीवैक्स तैयार कर ली है। इस वैक्सीन को आईसीएमआर के क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, भुवनेश्वर और राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान के सहयोग से विकसित

किया है। एडफाल्सीवैक्स नामक वैक्सीन के निर्माण के लिए आईसीएमआर ने कंपनियों से आवेदन मंगवाए हैं। आइसीएमआर के मुताबिक मलेरिया के नए टीके को फिलहाल एडफाल्सीवैक्स नाम दिया है, जो मलेरिया परजीवी प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के खिलाफ पूरी तरह असरदार पाया गया है। आरएमआरसी के वैज्ञानिक डॉ. सुशील सिंह ने कहा कि नया टीका मानव संक्रमण को रोक सकता है। एडफाल्सीवैक्स में पीएफएस-230 और पीएफएस48/45 प्रोटीन का एक मिश्रण शामिल है। यह संक्रमण रोकने वाले मजबूत एंटीबॉडी बनाता है। यह वैक्सीन न केवल इंसानों में संक्रमण से बचाव करेगी बल्कि मलेरिया के समुदाय में प्रसार को भी कम करेगी। वैक्सीन ने अभी तक के प्री-क्लिनिकल परीक्षण में बेहतर प्रभाव दिखाया है। इसका उद्देश्य व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर मलेरिया के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा प्रदान करना है। आईसीएमआर इस तकनीक को योग्य संगठनों और निर्माताओं को गैर-विशिष्ट लाइसेंसिंग के तहत प्रदान करना चाहता है, ताकि इसका उत्पादन और व्यावसायीकरण किया जा सके। एडफाल्सीवैक्स मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विकसित की जा रही एक महत्वपूर्ण वैक्सीन है, जो भविष्य में मलेरिया उन्मूलन में अहम भूमिका निभा सकती है।

संसद के मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक संपन्न

गोगोई बोले- विदेश नीति पर चर्चा की हमने उठाई मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दल के नेताओं ने कई गंभीर मुद्दे उठाए। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भारत-पाकिस्तान और चीन सीमा पर दो मोर्चों की चुनौतियों और विदेश नीति पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को संसद में आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

गोगोई ने आगे कहा, काफी समय बीत चुका है और सरकार को अपनी चूक के ऊपर अपनी बात रखनी होगी। युद्ध के लिए हमने अपनी सेनाओं को पूरा समर्थन दिया। इसके पश्चात जो घटनाक्रम हुआ है, उस पर प्रधानमंत्री मोदी को प्रकाश डालना चाहिए क्योंकि जो बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आ रहे हैं, वे कहीं न कहीं भारत की गरिमा और सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हैं। आज चुनाव

आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ वार्तालाप करने से भी हिचकिचा रहा है। रक्षा और विदेश नीति पर बात रखना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मणिपुर में कुछ ही महीनों में शांति बहाल हो जाएगी, लेकिन लगभग 2.5 वर्ष हो चुके हैं और वहां अभी तक शांति स्थापित नहीं हुई है। गोगोई ने बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने पर चिंता जताई और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। गोगोई ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोग की कल्पना की थी, लेकिन वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। वहीं समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने पहलगाम आतंकी हमले में खुफिया विफलता को गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों पर सवाल उठाया कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में उनकी भूमिका थी। उन्होंने भारत की विदेश नीति को असफल करार देते हुए कहा कि आज कोई भी देश भारत के साथ खड़ा नहीं है, जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची से लाखों लोगों के नाम हटाए जाने को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 326 का उल्लंघन है। बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, ओडिशा में स्थिति बेहद गंभीर है। महिलाओं और बच्चियों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

बिहार में रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल का सरकार पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एक रोजगार मेले में उमड़ी बेरोजगार युवकों की भारी भीड़ को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों की फेर में आने वाले नहीं है बल्कि उन्हें रोजगार की गारंटी चाहिए और यह काम कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन ही कर सकता है। श्री गांधी ने कहा कि बेरोजगार युवकों यह भीड़ बताती है कि बिहार के काबिल युवाओं के लिए सरकार रोजगार मुहैया नहीं कराई पा रही है। बिहार का युवा भाषण नहीं रोजगार चाहता है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें रोजगार देने में विफल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा महारोज़गार मेला में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ़ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोज़गार से अपना भविष्य चाहता है। भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को

जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है अपना गांव, अपना परिवारज्सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं -उनकी ज़रूरत बस स्थानीय और सम्माननीय रोज़गार है। श्री गांधी ने कहा कि अब बदलाव की शुरुआत हो चुकी है।

संसद की कार्यवाही पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी, सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा को तैयार: किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। मानसून सत्र प्रारंभ होने से पहले रविवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बारे में मीडिया को जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार है। किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए बताया, ÷संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के फ्लोर नेताओं की एक बैठक हुई। इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और निर्दलीय सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54 सदस्य आज बैठक शामिल हुए। 40 लोगों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। बहुत सकारात्मक बैठक हुई । सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी की स्थिति बताई और

इस सत्र में लाने वाले मुद्दे उठाए। हमने सरकार की ओर से सभी प्वाइंट लिखे हैं। हमने कहा है कि सदन अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर अच्छे से काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। यह सरकार के साथ विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे बताया कि छोटे-छोटे दल है, विशेषकर जिस पार्टी के एक या दो सदस्य होते है, उनको सदन में बोलने का कम समय मिलता है, क्योंकि संख्या के हिसाब से संसद का सिस्टम चलता है। इसको हमने संज्ञान में लिया है।

छोटी पार्टियों के नेता को बोलने का पर्याप्त समय कैसे दें, इसको सुनिश्चित करने पर भी हमने सहमति जताई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कई अहम मुद्दे है, जिस पर सभी दलों ने अपने विचार रखे हैं कि इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। हम तो खुले दिल से इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। हम नियम और परंपरा के तहत चलते है और इन चीजों को बहुत अहमियत देते हैं। किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद विभिन्न दलों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें बहुत अच्छी और प्रभावी रहीं और उन सभी अच्छे अनुभवों को राष्ट्र के सामने शेयर किया जाना चाहिए। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

कानून पर सवाल उठाने से पहले लालू-राबड़ी शासन याद करें तेजस्वी : केसी त्यागी

एजेंसी

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें तेजस्वी ने बिहार की कानून व्यवस्था पर कहा था कि बिहार में महाजंगलराज है और एक वर्ष से बिहार सरकार को केंद्र के लोग अपनी कठपुतलियों के माध्यम से चला रहे हैं। तेजस्वी के इस बयान पर जदयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि उन्हें आरोप लगाने से पहले अपने माता-पिता के कार्यकाल को याद कर लेना चाहिए। बातचीत के दौरान केसी त्यागी ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी युवा हैं और उनकी याददाश्त कमजोर है। उन्हें याद नहीं कि उनके माता-पिता के कार्यकाल में अपराधियों के संगठित गिरोह कैसे वारदातों को अंजाम देते थे। शायद उन्हें मालूम नहीं है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयान पर उन्होंने कहा कि चिराग का जीवन बिहार की जनता और एनडीए के लिए महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा कि न केवल

हमलावर, बल्कि उन पर हमला करने की सोच रखने वाले भी जेल से बाहर न रहें।

मानसून सत्र से पहले सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक बुलाने पर केसी त्यागी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक बुलाने की परंपरा इसलिए है ताकि संसद सुचारू रूप से चले, महत्वपूर्ण विधेयक पारित हों और विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर भी चर्चा हो सके। समस्याओं के समाधान के लिए ऑल पार्टी बैठक बुलाने का रिवाज है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर केसी त्यागी ने कहा कि मैं उनके बयान से सहमत हूं। ट्रंप झूठ बोल रहे हैं और दुनिया को लगातार गुमराह कर रहे हैं। कोई भी देश भारत को अपने फैसले लेने में बाध्य नहीं कर सकता है। सीआरपीएफ जवान पर कांवड़ियों की ओर से हमला किए जाने पर केसी त्यागी ने कहा कि कांवड़ यात्रा भगवान शिव की आराधना करने का पवित्र साधन है। पिछले कुछ दिनों से इसमें कुछ असामाजिक तत्व प्रवेश कर चुके हैं जो पुलिस और सीआरपीएफ जवान पर हमला कर रहे हैं। जिला प्रशासन ऐसे लोगों को चिन्हित करे। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए।

दुनिया में कोई भी शक्ति भारत को निर्देश नहीं दे सकती है - उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली,। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वाइस प्रेसिडेंट एन्क्लेव में भारतीय रक्षा संपदा सेवा (आईडीईएस) के 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाहरी विमर्शों से प्रभावित न हों। इस देश में एक संप्रभु राष्ट्र में सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं। दुनिया में कोई भी शक्ति भारत को यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे अपने मामलों को कैसे संचालित करना है? उन्होंने कहा कि हम एक राष्ट्र हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा हैं। हम एकजुटता के साथ काम करते हैं, समन्वय के साथ। हमारे बीच आपसी सम्मान है, कूटनीतिक संवाद हैं। हम संप्रभु हैं और अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। उन्होंने कहा, क्या हर बॉल खेलनी जरूरी है? क्या हर विवादास्पद बयान पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक है? जो

खिलाड़ी अच्छा स्कोर करता है, वह खराब गेंदों को छोड़ देता है। वे लुभावनी होती हैं, पर खेली नहीं जातीं। और जो खेलते हैं, उनके लिए विकेटकीपर और गली में खड़े खिलाड़ी तैयार रहते हैं। जगदीप धनखड़ ने कहा, चुनौतियां होंगी और उनका उद्देश्य होगा समाज में फूट डालना। आपने दो वैश्विक युद्ध देखे हैं। वे अब तक अनिश्चित हैं। देखिए उस तबाही को, संपत्ति की, मानव जीवन की और उस पीड़ा को। देखिए हमारा संतुलन, हमने एक पाठ पढ़ाया और अच्छी तरह से पढ़ाया। हमने बहावलपुर और मुरिदके को चुना और फिर उसे अस्थायी रूप से समाप्त किया। ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है, यह जारी है। कुछ लोग पूछते हैं, इसे क्यों रोका गया? हम शांति, अहिंसा, बुद्ध, महावीर और गांधी की धरती हैं। जो जीवों को भी कष्ट नहीं देना चाहते, वे इंसानों को कैसे निशाना बना सकते हैं? उद्देश्य था, मानवता और विवेक को जगाना उन्होंने कहा कि हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश पूरी दुनिया के लिए ईर्ष्या का विषय है। हमारी 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। भारत की औसत आयु 28 वर्ष है, जबकि चीन और अमेरिका की 38-39 और जापान की 48 है। आप चुने हुए लोग हैं। आपको भारत की सेवा का अवसर मिला है, उस भारत की, जो मानवता का छठा हिस्सा है और आपका कार्यक्षेत्र देखिए, अगर आप पूरी निष्ठा से हमारे सभ्यतागत मूल्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करें तो आप संपत्ति प्रबंधन, पारिस्थितिकी, पर्यावरण, हर्बल गार्डन, सतत विकास और आधुनिक तकनीक के प्रयोग में देश के लिए उदाहरण बन सकते हैं।

अमरनाथ यात्रा: जम्मू आधार शिविर से 4388 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में 'बम बम भोले' का जयकारा लगाते हुए श्री अमरनाथ यात्रा के 4388 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था रविवार सुबह हिमालय स्थित पवित्र गुफा मंदिर के लिए भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया, 'आज सुबह 4388 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।÷ उन्होंने कहा कि 2815 तीर्थयात्री हल्के और भारी मोटर वाहनों सहित 179 वाहनों के बेड़े में पहलगाम और 1573 बालटाल के लिए रवाना हुए।गौरतलब है कि 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा दोनों मार्गों से दो जलाई को शुरू हुयी थी। उस दिन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां

से पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यात्रा नौ अगस्त को समाप्त होगी। अब तक दो लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र हिमलिंग के दर्शन कर चुके हैं।

अरुणाचल में भूस्खलन और बाढ़ से तबाही, अबतक 15 लोगों की मौत, हजारों प्रभावित

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में जून से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 15 लोगों की जान जा चुकी है। निचले सियांग जिले में सड़क संपर्क पूरी तरह से कट गया है। सिजी, याते और गरु गांव के पास कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। पश्चिम सियांग, लेपराडा, शी-योमी और अपर सुबनसिरी जैसे जिलों की जीवनरेखा माने जाने वाली आलो-लिकाबाली सड़क अब भी बाधित है।चीन सीमा से सटे अंजॉ जिले का सड़क संपर्क पहले करीब 20 दिनों तक पूरी तरह से ठप था, जिसे हाल ही में प्रशासन ने बहाल किया। कीई पन्योर जिले में भारी पत्थर गिरने से एक दिन तक राजमार्ग पर यातायात रुका रहा। निचले सुबनसिरी जिला मुख्यालय ज़ीरो पानी में डूब गया,

जिससे धान की खेती और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने लोगों को चेताया है कि भूस्खलन के खतरे को देखते हुए रात में यात्रा करने से बचें। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार अब तक कम से कम 15 लोगों की जानें जा चुकी हैं और 26 जिलों में 36 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। ईस्ट कामेंग और अपर सुबनसिरी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं। राज्य सरकार ने हाई अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए सरकारी प्रावधानों के अनुसार चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। उन्होंने अधिकारियों को अलर्ट पर रहने और राहत कार्यों को युद्धस्तर पर जारी रखने का निर्देश दिया।

कांग्रेस ने यमुना में प्रदूषण बढ़ने पर दिल्ली सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) की जुलाई में जारी रिपोर्ट में यमुना नदी में प्रदूषण बढ़ने पर दिल्ली सरकार को घेरा है। देवेंद्र यादव ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि भाजपा का दिल्ली जीत के बाद यमुना की सफाई का पहला लक्ष्य दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद पूरी तरह धराशाही हो गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने यमुना और सीवेज सफाई के लिए 9000 करोड़ का बजट रखा है, लेकिन अभी यमुना सफाई और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने और पुराने संयत्रों का दुरस्त करने की दिशा में कोई काम नहीं किया है। देवेंद्र यादव ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार कुल 37 सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में से 26 एसटीपी मानक तौर पर काम ही नहीं कर रहे है। वजीराबाद से ओखला बैराज तक यमुना में 171 एमजीडी सीवर सीधा में गिरता है, जो यमुना को प्रदूषित करने का बड़ी वजह है। उन्होंने कहा कि डीपीसीसी की जुलाई 2025 की रिपोर्ट अनुसार यमुना के पानी में प्रति लीटर बीओडी का स्तर वजीराबाद में 11, आईएसबीटी पुल मे 47, आईटीओपुल 70, निजामुद्दीन पुल में 74 औखला बैराज 46 और असगरपुर में 24 है, जबकि डीओ का प्रति लीटर स्तर पल्ला में 4.4, वजीराबाद में 3.4, आईएसबीटी पुल, निजामुद्दीन पुल, ओखला बैराज में शून्य और असगरपुर में 0.9 दर्ज किया है, जो बेहद चिंताजनक है।

अंतरराज्यीय नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस सिंडिकेट के दो मुख्य तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार गिरफ्तार किए गए तस्कर उप्र के बरेली और रामपुर क्षेत्रों से दिल्ली-एनसीआर और पंजाब तक हेरोइन और अल्प्राज़ोलम की आपूर्ति कर रहे थे। इस कार्रवाई में 1.5 किलोग्राम अल्प्राज़ोलम (जिसे हेरोइन की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयोग किया जाता है) और 606 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है। दोनों ही पदार्थों की कुल कीमत करीब 1.55 करोड़ आंकी गई है। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल को जानकारी मिली कि महेंद्र पाल नामक एक तस्कर गाज़ीपुर के हरिजन बस्ती के पास भारी मात्रा में नशीला माल डिलीवर करने वाला है। इस सूचना पर इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की देखरेख में टीम गठित की गई। टीम ने गाज़ीपुर इलाके में छापा मारा और महेंद्र पाल को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिले की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और थाना हजरत निज़ामुद्दीन की संयुक्त टीम ने ईरानी गैंग के दो सक्रिय अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान मुरतज़ा अली उर्फ डमर और सिराज अली के रूप में हुई है। दोनों बदमाशों को उनके बाएं पैर में गोली लगी है और उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दक्षिण-पूर्वी जिले की एडिशनल डीसीपी ऐश्वर्या शर्मा के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि ईरानी गैंग के दो सदस्य दक्षिण-पूर्वी जिले में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए आने वाले हैं। यह बदमाश इंद्रप्रस्थ पार्क के पास मेरठ एक्सप्रेसवे टी-प्वाइंट से आयेंगे । इस सूचना पर संयुक्त टीम ने जाल बिछाया। रात करीब 12:30 बजे जैसे ही दोनों आरोपित बाइक से मौके पर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। लेकिन जवाब में दोनों बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। चार राउंड फायर हुए, जिनमें से एक गोली सिपाही राजेंद्र के बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में तीन राउंड फायर किए। जिससे दोनों आरोपी घायल हो गए और पकड़े गए। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे दिल्ली और एनसीआर में लूटपाट करने की नीयत से आए थे और उनके अन्य साथी भी इस अपराध योजना में शामिल हैं। फिलहाल पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर इनके साथियों की तलाश कर रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं सी-डैक ने किया साइबर अपराध, बचाव और जांच पर एफडीपी का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के माध्यम से सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) नोएडा के सहयोग से 14 से 18 जुलाई तक साइबर अपराध, बचाव और जांच विषय पर एक पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के शुरू की गई सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) परियोजना के तीसरे चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के डीयूसीसी के पूर्व निदेशक प्रो. अजय कुमार गुप्ता मुख्यातिथि रहे। जबकि समापन सत्र में डीयूसीसी के निदेशक और डीन (प्रौद्योगिकी संकाय) प्रो. संजीव सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रो. संजीव सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षा के माध्यम से एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए संकाय सदस्यों हेतु विकसित हो रही साइबर तकनीकों से अवगत रहने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया।

कांग्रेस की राजनीति का आधार सिर्फ परिवारवाद, राहुल गांधी ने पद का गलत इस्तेमाल किया : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी की ओर से अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को 'राजनीतिक साजिश' बताने की आलोचना की। त्रिवेदी ने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी है। त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति का आधार सिर्फ परिवारवाद है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी राज्यसभा में हैं। राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी लोकसभा में हैं। इतना ही नहीं, राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा के पास ढेर सारी जमीन हैं। कांग्रेस परिवार सत्ता और संपत्ति पर कब्जा करना चाहता है। त्रिवेदी ने सवाल उठाया कि अगर यह पारिवारिक मामला है, तो राहुल गांधी इसे राजनीतिक मुद्दा क्यों बना रहे हैं?

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने बहनोई के भ्रष्टाचार को छिपाने

के लिए नेता प्रतिपक्ष के पद का गलत इस्तेमाल किया। भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी है और इसके नेता एक-दूसरे के भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी पर भी एक अन्य कांग्रेस नेता के बेटे के भ्रष्टाचार का बचाव करने का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस का मकसद समाज को क्षेत्र, भाषा और जाति के आधार पर बांटना है ताकि वे सत्ता और भ्रष्टाचार से कमाई गई संपत्ति पर कब्जा बनाए रखें। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत सरकार ने आतंकी संगठन टीआरएफ को प्रतिबंधित करवाकर कूटनीतिक सफलता हासिल की। लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस को इसमें भी नकारात्मकता दिखती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग विदेश नीति को 'सर्कस' कहते हैं, उन्हें अपने दिमाग के 'सर्किट' की जांच करानी चाहिए।आगामी संसद सत्र को लेकर त्रिवेदी ने कहा कि सत्र शुरू होने में दो दिन बाकी हैं, लेकिन विपक्षी इंडी गठबंधन में पहले ही टकराव और बिखराव दिख रहा है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के गठबंधन से अलग होने की ओर इशारा किया। त्रिवेदी ने उम्मीद जताई कि विपक्ष संसद सत्र का सकारात्मक उपयोग करेगा, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए उन्होंने तंज कसा, 'जब रात इतनी मतवाली है, तो सुबह का आलम क्या होगा, यह देखने में पता चलेगा जब संसद का सत्र शुरू होगा।'

फायरिंग मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने फायरिंग मामले में वांछित आरोपित अजय कुमार उर्फ भूरी (36) को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपित मार्च 2025 में दिल्ली के ज्योति नगर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की वारदात में नामजद था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लंबे समय से फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार आरोपित पर पहले से ही गैर-जमानती वारंट जारी था। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि अजय उर्फ भूरी दिल्ली से बाहर भागने की फिराक में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मौजूद है। सूचना को पुख्ता कर टीम ने तत्काल रेलवे स्टेशन पहुंचकर जाल बिछाया और आरोपित को मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपित अजय कुमार उर्फ भूरी ने स्वीकार किया कि वह मार्च 2025 में ज्योति नगर में हुई फायरिंग की घटना में शामिल था।

पीएम मोदी की ब्रिटेन और मालदीव यात्रा, रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगा नया आयाम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 से 26 जुलाई तक ब्रिटेन और मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने समेत अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बातचीत होगी। प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर 23 और 24 जुलाई को ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा होगी।इस दौरान दोनों नेता भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों की संपूर्ण समीक्षा करेंगे और व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, नवाचार, रक्षा-सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनसंपर्क जैसे क्षेत्रों में प्रगति पर चर्चा करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी, किंग चार्ल्स तृतीय से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। यात्रा के दौरान दोनों पक्ष 'समग्र रणनीतिक साझेदारी' की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री मोदी 25 से 26 जुलाई

को मालदीव की राजकीय यात्रा करेंगे। यह यात्रा मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर होगी। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी और डॉ. मुइज्जू के राष्ट्रपति कार्यकाल में किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मुइज्जू से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और दोनों देश 'समग्र आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के तहत हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे, जिसकी रूपरेखा अक्टूबर 2024 में राष्ट्रपति मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान तय की गई थी। यह यात्रा भारत की 'पड़ोस प्रथम' नीति और विजन महासागर के तहत भारत-मालदीव के विशेष संबंधों को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

कांग्रेस-सीपीएम के बीच चल रही स्पर्धा - मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और सीपीएम पर बयान दिया था। इसे भाजपा प्रवक्ता मुख्तार अब्बास नकवी ने 'राजनीतिक पाखंड' बताया और दावा किया कि अभी कांग्रेस और सीपीएम के बीच यह स्पर्धा चल रही है कि दोनों के बीच में सबसे बड़ा कम्युनिस्ट का चैंपियन कौन है?उन्होंने समाचार एजेंसी बातचीत में कहा कि मौजूदा राजनीतिक स्थिति में इन दोनों ही दलों की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। इसके पीछे की वजह यह है कि केरल में यह लोग एक-दूसरे का गला दबा रहे हैं, जबकि दिल्ली में गले मिल रहे हैं। इन दोनों ही दलों का यह रवैया राजनीतिक पाखंड है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अपने राजनीतिक व्यवहार से इन दोनों ने यह साबित कर दिया है कि इन्हें

जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। यह लोग सिर्फ अपने राजनीतिक हितों के बारे में सोचते हैं। लेकिन, अब यह दोनों ही एक्सपोज हो चुके हैं। महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद को निंदनीय बताते हुए मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि इससे भाषा की शालीनता को कुठाराघात पहुंचा है। ऐसा करके कुछ लोग भाषा की शालीनता को ताक पर रख रहे हैं। भाषा विवाद से कुछ भी अर्जित होने वाला नहीं है। इस देश में हर भाषा का सम्मान किया जाता है। मतदाता पुनरीक्षण को जरूरी बताते हुए भाजपा नेता ने कहा कि फर्जी मतदाताओं के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह जरूरी है कि जो लोग यहां पर अवैध रूप से रह रहे हैं, उनकी पहचान होनी चाहिए। लेकिन, यह दुर्भाग्य की बात है कि जब ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, तो कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। मैं एक बात फिर से कहता हूं कि जो वैध मतदाता हैं, उनकी सुरक्षा होनी चाहिए और जो अवैध मतदाता हैं, उनकी समीक्षा होनी चाहिए। लेकिन, कुछ लोग इसमें सांप्रदायिकता का तड़का लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ेगी आपः संजय सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और बिहार प्रभारी संजय सिंह ने रविवार को पुष्टि की कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और वह अब इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं है। यह वही गठबंधन है जिसमें आप ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए हिस्सा लिया था। बातचीत में संजय सिंह ने कहा, इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। उसके बाद हमने हरियाणा चुनाव, दिल्ली चुनाव, गुजरात और पंजाब की उपचुनावों में भी अकेले लड़ाई लड़ी। अब हम बिहार चुनाव भी अकेले लड़ेंगे इस बयान से उन अटकलों को बल मिला है कि लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद आप ने गठबंधन से दूरी बना ली है। दिल्ली में कांग्रेस-आप गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिली, जबकि भाजपा ने लगातार तीसरी बार सभी सातों सीटें जीत लीं। गठबंधन से औपचारिक अलगाव बताया। उन्होंने दोहराया, पार्टी अब इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

आप ने हार का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ा और विपक्ष के रूप में उसकी भूमिका पर सवाल उठाए। संजय सिंह ने हुई इंडी गठबंधन की बैठक में आप की अनुपस्थिति को भी

जब संजय सिंह से पूछा गया कि क्या अन्य दल भी कांग्रेस के नेतृत्व से नाराज होकर गठबंधन छोड़ सकते हैं, तो उन्होंने कहा, जहां तक आम आदमी पार्टी का सवाल है, हमने सड़क से लेकर संसद तक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई है और आगे भी निभाते रहेंगे। बाकी दलों के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता, मैं केवल अपनी पार्टी की बात कर सकता हूं। यह टिप्पणी आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के उस बयान के कुछ सप्ताह बाद आई है, जिसमें उन्होंने गुजरात के विसावदर उपचुनाव में जीत के बाद कांग्रेस पर भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया था। केजरीवाल ने कहा था, ÷इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था। अब हमारी तरफ से कोई गठबंधन नहीं है। संसद के मानसून सत्र के बारे में बात करते हुए संजय सिंह ने कहा कि आप सांसद पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, दिल्ली में झुग्गियों का तोड़फोड़ अभियान और बिहार में चल रही मतदाता सूची की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया जैसे अहम मुद्दे उठाएंगे।

अभिभावकों ने सरकार के फीस विनियमन अध्यादेश के खिलाफ किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के निजी स्कूलों में मनमानी फीस बढ़ोतरी एवं छात्रों के साथ भेदभाव के खिलाफ यूनाइटेड पेरेंट्स वॉयस (यूपीवी) के बैनर तले अभिभावकों ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही दिल्ली सरकार के फीस विनियमन अध्यादेश 2025 को भी नकारा। इस दौरान उन्होंने नारा लगाया 'शिक्षा है व्यापार नही ये झूठ हमें स्वीकार नही।' अभिभावकों ने आरोप लगाया कि यह अध्यादेश बिना किसी उचित परामर्श के लागू किया गया। जो शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी को दर्शाता है। यूपीवी के सदस्य आजाद सिंह ने बताया कि 30 जून को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से यूपीवी के एक प्रतिनिधिमंडल को मिलने की अनुमति मिली थी। उसके बाद मुख्यमंत्री ने बातचीत का आश्वासन दिया था। उसके बाद मुख्यमंत्री को दो ईमेल भेजने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। इसी कारण अभिभावकों ने सरकार के सामने अपनी मांगों को दोहराया। नया समाज पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष मीनाक्षी ने बताया कि फीस बढ़ाने के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक गए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के नाम काटे जा रहे हैं। मामला कोर्ट में जाने के बाद बच्चों के नाम फिर से जोड़े गए उसके बाद दूसरे बैच में बच्चों के नाम काट दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कारण से अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अगर किसी ने गलत किया है तो कार्रवाई से नहीं बचेगा : रोहन गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे के खिलाफ हुई कार्रवाई के संबंध में कहा कि अगर दोनों में से किसी ने भी कुछ गलत किया है, तो निश्चित तौर पर कार्रवाई होगी। यह लोग ईडी की कार्रवाई से बच नहीं पाएंगे।उन्होंने बातचीत में कहा कि अगर इन लोगों को लगता है कि दबाव की राजनीति करके जांच एजेंसी की कार्रवाई से बच जाएंगे, तो यह इनकी गलतफहमी है। उन्हें अपनी गलतफहमी दूर कर लेनी चाहिए। ईडी ने बाकायदा इन दोनों ही मामले की जांच की है। इन दोनों ही मामलों की जांच पूरी विधिवत तरीके से की गई है। इसके बाद ही जांच एजेंसी की ओर से यह कदम उठाया गया है। भाजपा नेता ने कहा कि अगर कोई भ्रष्टाचार करेगा, तो उसके खिलाफ जांच एजेंसी की ओर से कार्रवाई की जाएगी। कड़ी कार्रवाई में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। कांग्रेस की जहां कहीं भी सरकार है, वहीं पर ही क्यों भ्रष्टाचार के मामले सामने आ

रहे हैं? जब इन लोगों के नाम भ्रष्टाचार के मामले में सामने आते हैं, तो ये संविधान का सहारा लेकर खुद को बचाने की कोशिश करते हैं। जिसे इस देश की जनता किसी भी कीमत पर माफ नहीं करने वाली है, क्योंकि अब इस देश की जनता इनके चाल-चरित्र-चेहरे को जान चुकी है। वहीं, भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के केरल में दिए उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'सीपीए और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) में भावनाओं की कमी' है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी का नैरेटिव अब इस देश के खिलाफ हो चुका है। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस के पास कोई नैतिक हक नहीं है कि वो किसी दूसरे संगठन को लेकर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करे। अगर उनकी ओर से कोई भी टिप्पणी की गई, तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस की ओर से कांवड़ियों का पंजीकरण कराए जाने की मांग पर रोहन गुप्ता ने कहा कि हर धर्म की ओर से इस तरह की यात्राएं निकाली जाती हैं, तो क्या आप दूसरे धर्म के बारे में भी इस तरह की मांग कर सकते हैं। क्या सभी नियम सनातन धर्म के साथ ही लागू होंगे। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। हम किसी भी गलत चीज का समर्थन नहीं कर सकते हैं। किसी को भी कानून व्यवस्था हाथ में लेने का कोई हक नहीं है। लेकिन, कुछ मामले को लेकर सभी कांवड़ियों को निशाना बनाना भी सही नहीं है।

दिल्ली में जल समस्या की जड़ पुरानी पाइपलाइनें, पिछली सरकारों ने इस पर कुछ नहीं किया : प्रवेश साहिब सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली में जल समस्या की जड़ बेहद पुरानी पाइपलाइन प्रणाली है, जिसे दशकों से बदला ही नहीं गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को गंदा पानी मिल रहा है, क्योंकि यहां 40 से 80 साल पुरानी पाइपलाइनों से जल आपूर्ति की जा रही है। यह बातें उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के गोल मार्केट के डी-ब्लॉक, रकाबगंज स्थित गुरुद्वारा फ्लैट्स और सरोजिनी नगर के टाइप-2 फ्लैट्स का दौरे के दौरान कही। प्रवेश साहिब सिंह ने पानी संकट के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पिछली सरकार ने एक भी नई पाइपलाइन नहीं डाली। उन्होंने कहा कि लोगों की सबसे बुनियादी जरूरत साफ और सुरक्षित पीने का पानी तक को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने आते ही इस दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं और पूरे दिल्ली में जल व सीवर व्यवस्था के पुनर्निर्माण की योजना पर काम शुरू हो चुका है। मंत्री ने कहा कि हम दिल्ली के लिए एक नया मास्टर प्लान बना रहे

हैं। नई पाइपलाइनों की योजना बन चुकी है, बजट पारित हो चुका है, टेंडर भी पास हो चुके हैं और कुछ जगहों पर काम शुरू भी हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिर्फ पांच महीने पुरानी है और एक साल में दिल्ली की तस्वीर बदलकर रख देंगे। प्रवेश साहिब सिंह ने स्पष्ट किया कि यह काम केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर इसका असर दिखने लगा है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तय समयसीमा में काम पूरा हो, गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से हो।

अक्षय पात्र के बेड़े में शामिल हुए 7 इलेक्ट्रिक वाहन, हर दिन 18,000 बच्चों तक पहुंचेगा भोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्षय पात्र फाउंडेशन ने चेतू फाउंडेशन के साथ साझेदारी में सात अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक मील डिलीवरी वाहनों को अक्षय पात्र रसोईघर में आयोजित एक संयुक्त समारोह के दौरान हरी झंडी दिखाई। ये वाहन दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में प्रतिदिन 18,000 से अधिक बच्चों को गर्म और पौष्टिक मध्याह्न भोजन पहुंचाएंगे और सालाना 40 लाख से अधिक भोजन वितरण में योगदान देंगे। अक्षय पात्र फाउंडेशन दिल्ली-एनसीआर के डिविजनल हेड गोविंद दत्ता दास ने कहा कि इन इलेक्ट्रिक वाहनों के जुड़ने से हमारी सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में ही उल्लेखनीय वृद्धि होगी।उन्होंने बताया कि ये वाहन अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। जिसमें भोजन की गर्मी बनाए रखने वाले थर्मल कम्पार्टमेंट, जीरो-एमीशन टेक्नोलॉजी और बेहतर लॉजिस्टिक्स फीचर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनके उपयोग से हम कार्बन फुटप्रिंट को काफी कम करते हुए ज्यादा बच्चों तक भोजन पहुंचा पा रहे हैं। दास ने कहा कि चेतू फाउंडेशन का यह योगदान न केवल भूखमरी के खिलाफ हमारी लड़ाई को मजबूत करता है बल्कि पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

चेतू फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक शैली बंसल ने कहा कि हम अक्षय पात्र के मिशन में साझेदार बनकर गौरवान्वित हैं। इन इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बच्चों को पौष्टिक भोजन तो मिले ही साथ ही वातावरण भी शुद्ध रहे। यह पहल हमारे दोहरे दृष्टिकोण भविष्य की पीढ़ियों और हमारी पृथ्वी दोनों की देखभाल का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि ये ईवी विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं ताकि भोजन की गुणवत्ता, तापमान और स्वच्छता वितरण के दौरान बनी रहे। प्रत्येक वाहन प्रतिदिन दो चक्कर लगाएगा और लगभग 2500 भोजन वितरित करेगा। इन ईवी की सबसे बड़ी खासियत है कि ये पूरी तरह शून्य-उत्सर्जन पर आधारित हैं। जिससे न केवल हवा की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि वितरण की लागत भी कम होगी।

मुख्यमंत्री ने मंडियों में स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मंडियों में स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने का अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंडियों के रखरखाव और आधुनिकीकरण के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मंडियों को फंड, जमीन तथा अन्य संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने राजधानी की सभी प्रमुख मंडियों के सुगठित प्रबंधन, रखरखाव व सुधार को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक शुक्रवार देर रात की थी। बैठक में विकास मंत्री कपिल मिश्रा के अलावा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले दिनों आजादपुर मंडी का दौरा किया। वहां लोगों ने कूड़े के ढेर, आवारा जानवर व बदहाल सड़कों की शिकायतें मिलने के बाद इन मंडियों के कायाकल्प को लेकर हमारी सरकार बेहद गंभीर है। हम चाहते हैं कि इनका परिचालन आधुनिक मंडियों की तरह हो और यहां के दुकानदारों, फसल बेचने वालों और आम लोगों को वे सुविधाएं मिलें जो एक आधुनिक मंडी में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन मंडियों में हरित कूड़ा व आवारा जानवर सबसे अधिक परेशानी का कारण हैं। इसके लिए मंडियों के आसपास ही कूड़े के निपटाने के लिए आधुनिक प्लांट लगाएं जाएंगे ताकि उनका दोबारा उपयोग हो सके। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि वे इस तरह के वेस्ट प्लांटों को लगाने के लिए जमीन की खोज करें और कोई समस्या हो तो हमें बताएं, हम जमीन की व्यवस्था करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मंडी में घूमते आवारा जानवरों को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली नगर निगम की सहायता ली जाए। बैठक में तय किया गया कि पुरानी सीवर प्रणाली की मरम्मत आदि कार्य शीघ्र पूरा कराया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान जलभराव और दुर्गंध की समस्या पर अंकुश लग सके। इसके लिए पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड एवं एमसीडी के साथ तालमेल बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंडियों में प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी प्रणाली स्थापित के भी निर्देश जारी किए।

संपादक की कलम से

जंगलराज शब्द कभी विपक्ष का हथियार, अब सत्ता की बेबसी

बिहार में जंगलराज शब्द महज एक आरोप नहीं, बल्कि दशकों से सत्ता बदलने का सबसे कारगर हथियार रहा है। लालू-राबड़ी शासन के वक्त अगर कोई एक लाठी सबसे ज्यादा चली तो वो थी जंगलराज के नाम की। नीतीश कुमार ने इसी के दम पर खुद को सुशासन बाबू के तौर पर गढ़ा और एनडीए की गाड़ी को पटरी पर रखा। लेकिन आज वही जंगलराज फिर से चर्चा में है, फर्क बस इतना है कि बोलने वाले अब विरोधी हैं और चुप रहने वाले सत्ताधारी।बीते दो महीनों की घटनाएँ देखिए राजधानी पटना के बीचों बीच दिनदहाड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मार दी जाती है। पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर व्यापारी का मर्डर बताता है कि अपराधियों को अब पुलिसिया कार्रवाई की परवाह नहीं रही। इससे पहले पारस अस्पताल में इलाजरत कुख्यात गैंगस्टर की हॉस्पिटल के अंदर घुसकर हत्या कर दी जाती है। पांच शूटर आते हैं, गोली मारते हैं और आराम से भाग जाते हैं। अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की भी हिम्मत नहीं होती और पुलिस पहुँचने से पहले बदमाश फरार हो जाते हैं। बाद में पुलिस ताबड़तोड़ गिरफ्तारी दिखा कर अपनी पीठ थपथपा लेती है, मगर आम लोग सवाल पूछते हैं क्या यही सुशासन है? नीतीश कुमार के लिए ये हालत कितनी मुश्किल हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाइए कि जो जंगलराज कभी उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा था, वो अब कहीं सुनाई नहीं देता। 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम मोदी की विशाल रैली में भी जंगलराज शब्द मंच से गायब रहा। जबकि यही मंच कभी लालू-राबड़ी शासन को घेरने का सबसे बड़ा हथियार होता था। मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी, विकास के आंकड़े गिनाए, लेकिन बिहार की सड़कों पर पसरी दहशत पर कुछ नहीं कहा।अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जंगलराज का जिक्र सत्ता पक्ष के लिए बोझ बन गया? दरअसल ये शब्द अब बूमरैंग बन चुका है। विपक्ष इसे लालू यादव के बीते दौर के बजाय नीतीश के मौजूदा कार्यकाल से जोड़ रहा है। तेजस्वी यादव बार-बार कह रहे हैं कि जब हर रोज मर्डर हो रहे हैं, अस्पतालों में गैंगवार हो रहा है, व्यापारी कत्ल हो रहे हैं तो ये जंगलराज किसका है? सोशल मीडिया पर तेजस्वी ने लिखा गुंडे सम्राट बन बैठे हैं और पुलिस अधिकारी बेबस रंक। यही तंज नीतीश सरकार को सबसे ज्यादा चुभ रहा है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि नीतीश सरकार के पास फिलहाल अपराध पर सख्त कार्रवाई का कोई ठोस खाका नजर नहीं आ रहा है। सिवान में एक ही रात में तीन लोगों की हत्या, नालंदा में दोहरी हत्या और पटना में खुलेआम गैंगवार ये सब अलग-थलग घटनाएँ नहीं हैं। ये हालात सरकार की कमजोर पकड़ और पुलिस प्रशासन के ढीले रवैये को दिखा रही हैं।

डीजीपी ने हाल ही में कहा कि खेती-किसानी के खाली समय में बेरोजगारी के कारण अपराध बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि अगर अपराध बेरोजगारी से बढ़ रहे हैं तो बीते बीस साल में सरकार ने रोजगार देने के लिए कौन-सी ठोस नीति अपनाई? ऊपर से पुलिस के बड़े अधिकारी अब किसानों को अपराध का कारण बताकर बचना चाहते हैं और विपक्ष इसी बयान को जनता के बीच भुनाने में लगा है। दूसरी तरफ बीजेपी भी उलझन में है। जंगलराज शब्द छेड़ने पर बिहार के वोटर सवाल पूछेंगे कि जब करीब डेढ़ दशक तक आप सत्ता में हिस्सेदार रहे, तो फिर हालात क्यों बिगड़ गए? यही वजह है कि पीएम मोदी ने भी लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के वार तो किए, लेकिन जंगलराज की लाठी निकालने से बचते दिखे। एनडीए की पूरी रणनीति अब विकास योजनाओं और केंद्र की सौगातों पर टिकी है ताकि लोग अपराध की बात भूल जाएँ। पर क्या वाकई लोग भूल जाएंगे? यहाँ समाज का नजरिया भी बदल रहा है। पहले जाति ही राजनीति का सबसे बड़ा बंधन थी। लालू यादव की राजनीति इसी जातीय समीकरण के दम पर चमकी। नीतीश ने विकास और कानून-व्यवस्था को जाति से बड़ा मुद्दा बना दिया था। लेकिन अब सुशासन बाबू के राज में ही कानून-व्यवस्था सवालों के घेरे में है। छोटे व्यापारी डरे हुए हैं, बड़े कारोबारी बच्चों को बाहर भेजने की तैयारी में हैं और गांव-कस्बों में अपराधियों के हौसले देखकर लोग खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं।कई व्यापारी संगठन मांग उठा रहे हैं कि बिहार में यूपी जैसा बुलडोजर मॉडल लागू हो। यूपी में माफिया पर बुलडोजर चलता है तो बिहार में क्यों नहीं? यह सवाल एनडीए को अंदर ही अंदर परेशान कर रहा है। लोजपा के चिराग पासवान ने भी इसी तर्ज.पर कहा कि पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत है और सरकार को सख्ती से काम लेना चाहिए। यानी एनडीए में भी सब कुछ ठीक नहीं। भीतर ही भीतर ये दबाव है कि कहीं अपराध मुद्दा बन गया तो विकास के सारे दावे बेमानी साबित हो जाएंगे।

रोजगार की फिक्र और और खर्च का दायरा

विजय गर्ग

मनरेगा वित्तीय मामले में देश की अन्य सभी योजनाओं से बिल्कुल अलग मानी जाती रही है। इस योजना को प्रारंभ में नरेगा नाम से चलाया गया था, , "जिसे दो अक्तूबर, 2009 में मनरेगा कर दिया गया। पिछले कुछ दिनों से यह योजना काफी सुर्खियों में है, जिसका कारण है केंद्रीय वित्त मंत्रालय की और से किया गया एक नीतिगत परिवर्तन। इससे मनरेगा भी अब अन्य योजनाओं की तरह वित्तीय खर्च सीमा के दायरे में आ गई है। मनरेगा मतलब महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम। यह दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना है। इसे एक मांग आधारित योजना कहा जाता है। मांग अर्थात हर एक वह ग्रामीण परिवार जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के लिए स्वेच्छा से तैयार हों, वे एक वित्तीय वर्ष में कम से कम सौ दिनों तक रोजगार की मांग कर काम पा सकते हैं। मांग का सीधा तात्पर्य है कि जब जरूरत हो, तब रोजगार दिया जाएगा और उसका भुगतान होगा। मांग किए जाने के पंद्रह दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध न हो पाने पर मांगकर्ता राज्य सरकारों से बेरोजगारी भत्ता पाने का हकदार होगा। बेरोजगारी भत्ता आरंभिक तीस दिनों के लिए न्यूनतम मजदूरी का एक चौथाई तथा बाद की अवधि के लिए न्यूनतम मजदूरी का आधा होगा। नियमानुसार कार्य में आधी आबादी को वरीयता देते हुए न्यूनतम एक तिहाई महिला लाभार्थी होनी चाहिए। रोजगार पांच किलोमीटर के दायरे में प्रदान किया जाएगा। यदि यह पांच किलोमीटर से अधिक है, तो अतिरिक्त मजदूरी का भुगतान किया जाएगा। कार्यस्थल पर श्रमिकों के दुर्घटना के शिकार होने पर प्रतिपूर्ति की भी व्यवस्था है। इसके अलावा कार्यस्थल पर मृत्यु अथवा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में अनुग्रह र राशि भी

प्रदान की जाती है।

मनरेगा इतनी सारी खूबियों के साथ कुल मिला कर जरूरतमंद को काम देने के निमित्त सरकार को नैतिक रूप बाध्यकारी बनाती है, जो वित्तीय दायरे को पार कर सकती है, इसलिए यह एक योजना के साथ कानून भी है।

मगर, अब केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इस योजना को भी मासिक या त्रैमासिक (एमएपी/क्यूएफपी) व्यय से बांधने की ओर कदम बढ़ाया है। मासिक या त्रैमासिक व्यय केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किया गया था, जिसका मकसद सरकारी विभागों का अपने खर्च पर सख्त निगहबानी करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि खर्च बजटीय प्रावधानों के अनुरूप ही चले। मनरेगा को भी अब मासिक या त्रैमासिक व्यय के तहत चलाने के क्रम में पहली बार वित्त वर्ष 2025 2026 की प्रथम छमाही में कुल वार्षिक बजट 6,000 करोड़ रुपए आबंटन के सापेक्ष अधिकतम साठ फीसद यानी 51,600 करोड़ रुपए खर्च की सीमा रेखा तय कर दी गई है है आठ जून, 2025 तक इस योजना के कुल बजट का 28.47 फीसद ही खर्च हो पाया , जबकि वित्तीय वर्ष 2024 2025 का लंबित भुगतान 21,000 करोड़ रुपए है। मासिक या त्रैमासिक व्यय सीमा लागू होने से पहले ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शुरूआत में अधिक खर्च की मांग की थी और इस नई व्यवस्था का विरोध किया, मगर वित्त मंत्रालय ने नकदी प्रवाह के बेहतर प्रबंधन और अनावश्यक उधारी से बचने का तर्क देकर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है, की मांग को सिरे से खारिज कर दिया।

विलंबित भुगतान के संबंध में यह गौर करने लायक है कि मनरेगा अधिनियम के तहत पंद्रह दिनों के भीतर पारिश्रमिक दिए जाने का प्रावधान है। अधिनियम की धारा 3(3) में स्पष्ट उल्लेख है कि दैनिक मजदूरी का वितरण किसी भी मामले में उस तारीख से एक पखवाड़े के बाद नहीं किया जा सकता, लेकिन प्रावधानों के ठीक उलट कई राज्यों में महीनों से मनरेगा के तहत भुगतान सहित अन्य देनदारियां लंबित पड़ी हैं। इन्हीं सब कारणों से बीते वित्तीय वर्ष 2024 2025 का तकरीबन 21,000 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि मनरेगा वर्ष 2006 में जब शुरू की गई, तो यह पहले चरण में देश के मात्र 200 जनपदों में ही लागू की गई। बाद में वित्तीय वर्ष 2008-2009 में इसकी सफलता को देखते हुए इसे सौ फीसद शहरी क्षेत्रों को छोड़ते हुए पूरे देश में लागू कर दिया गया। योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण इलाकों से पलायन को कम करना, अकुशल श्रमिकों के रोजगार को सुनिश्चित करना, ग्रामीण क्रय शक्ति को बढ़ावा देना, गांवों में गरीबी व अमीरी का भेद कम करना, गांवों अस्थायी व स्थायी परिसंपत्तियों का सृजन करना है।

वित्तीय इन उद्देश्यों में मनरेगा काफी हद तक कामयाब भी रही है, फलस्वरूप वर्ष 2020 2021 -2021 के दौरान कोरोना काल में जब शहरों के बजाय गांवों की तरफ पलायन शुरू हुआ तो मनरेगा अकुशल श्रमिकों के लिए संकटमोचक बनकर खड़ी हुई। उस समय रेकार्ड 7.55 करोड़ परिवार इस योजना से लाभान्वित हुए, जबकि वित्तीय वर्ष 2024 2025 में मात्र 5.79 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला।"

आश्चर्य की बात है कि पर्याप्त बजट और समय से भुगतान का प्रावधान होने के बावजूद दशकों से । यह योजना पूरे देश में चल रही हैं, फिर भी 21,000 करोड़ रुपए की देनदारियां कैसे अटक गईं? वित्त मंत्रालय का तर्क है कि इन्हीं सब विसंगतियों को दूर करने के लिए अब सभी योजनाओं की तरह मनरेगा को भी मासिक या त्रैमासिक व्यय के दायरे शामिल किया गया है। वित्त मंत्रालय का मानना है इस कदम से राज्यों पर तय समय सीमा के भीतर भुगतान करने का दबाव बनेगा और देनदारियां कम होंगी, लेकिन पंचायत प्रतिनिधियों और नीति, रीति के जानकारों के बीच बहस का विषय यह कि जब मनरेगा एक मांग आधारित योजना , तो अधिक काम की मांग होने पर तयशुदा बजट कैसे आर्थिक प्रतिपूर्ति कर पाएगा। संभवतः यह पहली ऐसी योजना है, जो जनकेंद्रित और नीचे से ऊपर की ओर चलने वाली है। मांग निचले स्तर अर्थात ग्राम पंचायतों से आती है तो इसे साठ फीसद खर्च से क्यों बांधा जाए? पंचायत प्रतिनिधियों की चिंता है कि मनरेगा को खर्चे में बांध देने से अगर रोजगार की अधिक मांग आ गई तो रोजगार कैसे दिया जाएगा नई व्यवस्था से लंबित बकाया की बड़ी धनराशि पुराने भुगतान में चली नतीजतन नए रोजगार सृजन की संभावनाएं कम हो सकती हैं। ऐसे में अब सरकार को चाहिए कि आगे की राह सुगम करने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों, श्रमिकों व मनरेगा से संबंधित अकुशल समस्त कार्मिकों के भरोसे की बहाली के लिए लंबित देनदारियों के शीघ्र निपटारे की समुचित व्यवस्था की जाए और भविष्य में ऐसे दुरें पर न जाने के लिए कुछ ठोस रणनीति बनाई जाए। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय राज्यों से बेहतर समन्वय स्थापित करे, जिससे कार्य आसान हो, खर्च नियंत्रण जमीनी हकीकत के आधार पर हो व पारदर्शिता और पुख्ता हो । सरकार द्वारा मनरेगा का मूल ढांचा अर्थात मांग आधारित प्रावधान बरकरार रखते हुए खर्चे की सीमा भले ही नियत कर दी गई है, मगर आवश्यकता पड़ने पर तत्काल धनराशि जारी करने की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे हर जरूरतमंद को सही समय पर काम व उसका दाम मिल सके जाएगी

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

कई सौ जिलों तक फैला था छांगुर बाबा का धर्मांतरण जाल!

उत्तर प्रदेश के बलराम पुर से संचालित छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का संगठित और सुनियोजित षड्यंत्र आज न सिर्फ पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर रहा है, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने के विरुद्ध छेड़ी गई एक सुनियोजित लड़ाई का प्रतीक बनकर उभरा है। यह सिर्फ धर्मांतरण नहीं, एक वैचारिक हमला है, जिसमें विदेशी धन, कट्टरपंथी सोच और निरीह गरीबों की मजबूरी को एक हथियार बनाया गया। नाम है, छांगुर बाबा, असली नाम जमालुद्दीन। यह वही चेहरा है, जिसने स्वयं को पहले हिंदू संत के रूप में प्रस्तुत किया, फिर ह्लसूफी संतह्व, और आखिरकार इस्लामिक एजेंट की तरह गजवा-ए-हिन्द की जहरीली बुनियाद डालने में जुट गया। धर्मांतरण का यह रैकेट न केवल सामाजिक ढांचे को तोड़ रहा है, बल्कि सीधे-सीधे राष्ट्रविरोधी एजेंडे का भी हिस्सा बन चुका है। छांगुर बाबा का नेटवर्क यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, दिल्ली, राजस्थान, और महाराष्ट्र तक फैला है। उसके माध्यम से भोले-भाले दलितों, आदिवासियों और निर्धन वर्ग को चमत्कार, तंत्र-मंत्र और झूठे इलाज के बहाने मजहबी जाल में फंसाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद हिन्दू रीति-रिवाजों का त्याग और नव इस्लामी पहचान की कठोर सीख दी गई। ये कार्य अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित टीम, फंडिंग, और विचारधारा के साथ हो रहे थे। यह सब दशार्ता है कि यह धर्म परिवर्तन नहीं, भारत को विचारों से बदलने का षड्यंत्र था।

मुस्लिम समुदाय की ओर से विदेशों से भारी फंडिंग होती रही, जिसका प्रयोग मस्जिदों, मदरसों, और कन्वर्जन केंद्रों को खड़ा करने में हुआ। इस कार्य में विदेशी एनजीओ, पाकिस्तानी फंडिंग नेटवर्क, और खाड़ी देशों से जुड़ी संस्थाओं की भूमिका जांच के घेरे में है। ह्लगजवा-ए-हिन्दह्व वह कट्टर इस्लामी अवधारणा है, जिसमें भारत को इस्लामी शासन के अधीन लाने का सपना पाले बैठे आतंकी गुट बार-बार इसे अपना लक्ष्य बताते रहे हैं। छांगुर गैंग इसी जहर को धर्मगुरु की आड़ में बोता रहा. धर्मांतरण के बाद लोगों को भारत विरोधी विचारधारा से लैस किया गया। पाकिस्तान परस्त मौलानाओं से जुड़ी बैठकों के वीडियो, ऑडियो, और लेख प्राप्त हुए हैं, जो इस नेटवर्क के आतंकी कनेक्शन को इंगित करते हैं। स्थानीय मदरसों में कट्टरता, जिहाद और इस्लामी प्रभुत्व की शिक्षाएं बच्चों तक को दी जा रही थीं। जिन युवाओं ने झांसे में आकर मजहब बदला, उनमें से कई स्लीपर सेल की भूमिका में आने लगे। हालिया इनपुट के मुताबिक : कई धर्मांतरित युवक नकली दस्तावेजों के साथ सरकारी

योजनाओं का दुरुपयोग कर रहे थे। कुछ साइबर फ्रॉड, हवाला, और फेक आइडेंटिटी जैसे अपराधों से भी जुड़ चुके हैं।

आईबी और एटीएस की जांच में कई सबूतों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह केवल धार्मिक नहीं, राजनैतिक और आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम है। वर्षों से यह नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन स्थानीय प्रशासन, खुफिया एजेंसियां और पुलिस आंख मूंदे बैठे रहे। धर्म की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की आड़ में इस्लामीकरण की खेती होती रही। कुछ नेताओं और स्वयंभू सेक्युलर बुद्धिजीवियों की चुप्पी और समर्थन, इस गैंग को पनपने का खाद-पानी देते रहे। जांच एजेंसियों को शक है कि छांगुर गैंग का प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) से भी जुड़ाव था. मकसद : गरीबों को लुभाना, धर्म बदलवाना और उन्हें भारत विरोध की शिक्षा देना। वॉट्सऐप ग्रुप्स और टेलीग्राम चैनल के माध्यम से कट्टर मजहबी संदेशों का प्रचार किया जा रहा था। विदेशी खाते, संदिग्ध हवाला ट्रांजैक्शन्स और बाबा के ठिकानों से बरामद दस्तावेज इस कड़ी को और पुख्ता करते हैं।

बता दें, 23 जून को बाबा छांगुर द्वारा हजारों लोगों के नामांतरण की जानकारी मिली. 24 जून को उतरोला थाना क्षेत्र के मधपुर गांव में बाबा की विशाल कोठी देखने के बाद इस बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ. यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है और हजारों लोगों का धर्मांतरण करा चुका है. हरियाणा में 12 और 13 जुलाई को छांगुर गैंग के आमिर और उसकी बहन नेहा को गिरफ्तार किया गया है. पीड़ितों को विदेशों से भी धमकियां मिल रही हैं. खुफियां एजेंसियो के मुताबिक धर्मांतरण के इस देशव्यापी जाल में छांगुर ने 5000 से ज्यादा लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया है. 1000 मुस्लिम युवकों की फौज खड़ा कर लव जिहाद का खेल खेल रहा था। एटीएस और ईडी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, छांगुर बाबा की सच्चाई परत-दर-परत बेनकाब होती जा रही है. धर्मांतरण के एक संगठित रैकेट से शुरू हुआ खुलासा अब आईएसआई कनेक्शन और राष्ट्रविरोधी साजिश तक पहुंच चुका है. छांगुर बाबा सिर्फ धर्म बदलवाने का खेल नहीं खेल रहा था, बल्कि हिंदुस्तान में सांप्रदायिकता का जहर खोलकर तोड़ने की साजिश भी रच रहा था. छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के नाम पर जो नेटवर्क खड़ा किया था, उसी का इस्तेमाल कर वो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सीधा संपर्क साधने की कोशिश कर रहा था.खुफिया एजेंसियों के मुताबिक नेपाल की राजधानी काठमांडू में पाकिस्तानी दूतावास में आईएसआई एजेंटों की एक गोपनीय बैठक हुई थी।

इसमें छांगुर के नेपाल कनेक्शन के जरिए संपर्क की कोशिश की गई. हिंदू लड़कियों के धर्मांतरण के बाद आईएसआई एजेंटों से निकाह की साजिश छांगुर बाबा की योजना थी कि आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू परिवारों की महिलाओं को फंसाकर उनका धर्मांतरण कराया जाए. फिर इनका निकाह नेपाल में आईएसआई के एजेंटो और स्लीपर सेल से करवा दिया जाए. ये महिलाएं बाद में जासूसी के नेटवर्क का हिस्सा बन सकें, इसके लिए बाकायदा कोडवर्ड सिस्टम भी विकसित किया गया था. छांगुर बाबा का नेटवर्क सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं था. छांगुर बाबा का जाल महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ था. इस पूरे नेटवर्क को वो विदेशी फंडिंग के जरिए मजबूत करता रहा. एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसने लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवकों की फौज तैयार की थी. बीते तीन वर्षों में 1000 से ज्यादा मुस्लिमों को इस काम के लिए कैश पेमेंट दी गई. नेपाल सीमा से सटे सात जिलों को टारगेट किया गया. बाबा का नेटवर्क लड़कियों को फंसाता, ब्रेनवॉश करता और फिर उनका धर्मांतरण कर निकाह करवा देता था. इसके लिए विदेशों से भारी मात्रा में फंड आता था.एटीएस की जांच में छांगुर बाबा द्वारा इस्तेमाल किए गए कोडवर्ड भी सामने आए हैं. जैसे कि लड़कियों को प्रोजेक्ट कहा जाता था. ब्रेनवॉश की प्रक्रिया को काजल करना कहा जाता था. किसी लड़की को बाबा से मिलाने को दीदार कराना कहा जाता था।

रूस-चीन की पहल, भारत की कुंजी: क्या बदलेगा वैश्विक समीकरण?

प्रो. आरके जैन

वैश्विक मंच पर एक नया भू-राजनीतिक तूफान आकार ले रहा है, जो पश्चिमी प्रभुत्व की नींव हिला सकता है। यूरेशिया के तीन दिग्गज देशों–भारत, रूस और चीन–के बीच एक त्रिपक्षीय गठजोड़ को पुनर्जनन देने की कोशिशें न केवल क्षेत्रीय समीकरणों को बदल रही हैं, बल्कि विश्व व्यवस्था को एक नए युग की ओर धकेल रही हैं। यह उभरता हुआ गठबंधन पश्चिमी सैन्य और राजनयिक गठजोड़ों, विशेष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों, के लिए एक ऐसी चुनौती बन सकता है, जो उनकी रातों की नींद उड़ा दे। इस पहल की अगुआई रूस ने की है, जिसे चीन का पूर्ण समर्थन मिला है, और अब सबकी निगाहें भारत पर टिकी हैं, जो इस त्रिकोणीय साझेदारी को निर्णायक दिशा दे सकता है। यह त्रिपक्षीय संवाद, जिसे कभी 1990 के दशक में एक बहुध्रुवीय विश्व की नींव के रूप में देखा गया था, अब पुनर्जनन की राह पर है। रूस के नेतृत्व ने इस मंच को पुनर्जनन की पहल की, जिसे बीजिंग ने तुरंत समर्थन दिया। रूसी उप विदेश मंत्री ने हाल ही में कहा कि मॉस्को इस प्रारूप को फिर से सक्रिय करने के लिए नई दिल्ली और बीजिंग के साथ गहन बातचीत कर रहा है। यह गठजोड़ यूरेशिया में एक समतुल्य सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की क्षमता रखता है, जो पश्चिमी गठजोड़ों के दबाव को संतुलित कर सकता है। बीजिंग ने इस सहयोग को न केवल तीनों देशों के हितों के लिए बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण बताया है। दूसरी ओर, भारत ने सावधानी बरतते हुए कहा कि इस मंच को पुनर्जनन का निर्णय सभी पक्षों के लिए उपयुक्त समय और परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यह सतर्कता भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक मंच पर उसकी संतुलनकारी भूमिका को रेखांकित करती है। इस गठजोड़ का पुनर्जनन पश्चिमी शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका और उसके सैन्य गठजोड़, के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। आर्थिक और सैन्य दृष्टिकोण से, यूरेशिया के ये तीन देश मिलकर एक ऐसी शक्ति का निर्माण कर सकते हैं, जो वैश्विक समीकरणों को नया रूप दे। विश्व बैंक के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, इन तीनों देशों की संयुक्त जीडीपी लगभग 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 30% हिस्सा है।

सैन्य शक्ति की बात करें तो, सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) के 2023 के आंकड़ों के अनुसार, चीन और रूस दुनिया के शीर्ष पांच सैन्य खर्च करने वाले देशों में हैं, जबकि भारत 83.6 बिलियन डॉलर के रक्षा बजट के साथ चौथे स्थान पर है। इन देशों का एकजुट होना न केवल आर्थिक और सैन्य ताकत का प्रदर्शन है, बल्कि यह वैश्विक मंच पर एक वैकल्पिक शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकता है। जो पश्चिमी प्रभुत्व को सीधी चुनौती देता है।

इस गठजोड़ का महत्व केवल आर्थिक और सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था की ओर इशारा करता है, जो एकध्रुवीय प्रभुत्व को समाप्त कर बहुध्रुवीय विश्व को बढ़ावा दे सकती है। रूस और चीन लंबे समय से पश्चिमी सैन्य और राजनयिक गठजोड़ों, विशेष रूप से नाटो और क्वाड, के प्रभुत्व को कम करने की कोशिश में हैं। रूसी विदेश मंत्रालय ने 2025 में दावा किया कि पश्चिमी गठजोड़ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अस्थिरता को बढ़ावा दे रहे हैं। इस त्रिपक्षीय मंच के जरिए रूस और चीन एक ऐसा ढांचा तैयार करना चाहते हैं, जो क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान पश्चिमी हस्तक्षेप के बिना, स्वदेशी दृष्टिकोण से करे। यह दृष्टिकोण विशेष रूप से अमेरिका के लिए चिंताजनक है, क्योंकि यह उसके वैश्विक नेतृत्व को कमजोर कर सकता है। यदि यह गठजोड़ पूरी तरह सक्रिय हो जाता है, तो विश्व के कई देश, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देश, विवादों के समाधान और आर्थिक सहयोग के लिए पश्चिम की बजाय इस मंच की ओर रुख कर सकते हैं। भारत की भूमिका इस गठजोड़ में सबसे महत्वपूर्ण और जटिल है। वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति एक भरोसेमंद और संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरी है।

भारत न केवल ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों में सक्रिय है, बल्कि क्वाड जैसे पश्चिमी समर्थित गठजोड़ों का भी हिस्सा है। रूस और चीन भारत को इस त्रिकोण में शामिल करके न केवल अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं, बल्कि क्वाड जैसे गठजोड़ों की प्रभावशीलता को भी कम करना चाहते हैं। रूसी विश्लेषकों का मानना है कि यह त्रिकोण यूरेशिया में स्थिरता और सहयोग के लिए एक नया मॉडल पेश कर सकता है। हालांकि, भारत के लिए यह निर्णय आसान नहीं है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद, विशेष रूप से 2020 के गलवान संघर्ष, ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया था। फिर भी, 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और चीन के नेताओं की मुलाकात और लद्दाख में गश्ती व्यवस्था बहाल करने की सहमति ने इस दिशा में सकारामक संकेत दिए हैं। पश्चिमी देशों, विशेष रूप से अमेरिका, के लिए यह गठजोड़ एक रणनीतिक झटका हो सकता है। अमेरिका ने भारत को अपने पाले में रखने के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे कि भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करना और क्वाड को बढ़ावा देना। लेकिन हाल के वर्षों में अमेरिका का पाकिस्तान के साथ बढ़ता रुझान और भारत के खिलाफ कुछ नीतियां, जैसे रूस से तेल आयात पर प्रतिबंध की धमकी, ने भारत को सतर्क कर दिया है। 2025 में अमेरिकी प्रशासन ने रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 100% टैरिफ की धमकी दी थी, जिसका भारत ने कड़ा जवाब दिया। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा। इस त्रिपक्षीय गठजोड़ का पुनर्जनन इस संदर्भ में न केवल पश्चिमी दबाव का जवाब है, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक स्वायत्तता और प्रभाव का भी प्रतीक है। इस गठजोड़ के पुनर्जनन से वैश्विक व्यवस्था में एक नया अध्याय शुरू हो सकता है। यह न केवल यूरेशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक मंच पर पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती दे सकता है।

माँगने की कला: एक उच्च विज्ञान

अहा! क्या जमाना आया है! ज्ञान का युग! विज्ञान का युग! सूचना का युग! पर कुछ कलाएँ ऐसी हैं, जो इस युग के कोलाहल में भी अपनी धमक बनाए हुए हैं. इनमें से एक है - माँगने की कला. अब आप इसे सिर्फ. हाथ फैलाना न समझें, यह तो महासमुद्र है, जिसकी गहराइयों में उतरने के लिए जीवनभर की डुबकियाँ कम पड़ जाएँ. डिग्री-वगरी इसके सामने पानी भरती है. यह वो पीएचडी है, जो विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि जीवन की सड़कों पर, समाज के कूड़ेदानों में, और हाँ, इंसान के पाखंडी मन के अँधेरे कोनों में मिलती है. इसके लिए सिलेबस नहीं, बल्कि ठोकरें चाहिए; प्रोफेसर नहीं, बल्कि वो भूखी आँखें चाहिए, जो समाज की कृत्रिम चमक के पीछे छिपे असली चेहरे को पहचान सकें.

हमारे शहर में एक अद्वितीय विभूति थे, नाम था मास्टर दयाराम. दयाराम जी! नाम ही ऐसा कि दया का सागर उमड़ पड़े, पर उनके भीतर राम का वो अंश था, जो किसी को भी अपने इशारों पर नचा ले. मास्टर दयाराम ने कभी कोई नौकरी नहीं की, न कोई धंधा-पानी, न कोई स्टार्टअप का झमेला. उनका एक ही पेशा था झ माँगना. पर मास्टर दयाराम को किसी ने फटेहाल, मैले-कुचैले या दीन-हीन देखा हो, ऐसा संभव ही नहीं था. उनका पहनावा साधारण था, पर उसमें एक अलिखित सलीका था. धोती-कुर्ता ऐसा कि जैसे अभी-अभी धोबी की दुकान से आया हो, और चप्पलें ऐसी कि मानो किसी संस्कारी घर के आँगन से चोरी हुई हों. उनके चेहरे पर एक अजीब-सी विचारशीलता छाई रहती थी, मानो अभी-अभी किसी गुप्तचर उपन्यास का क्लाइमेक्स पढ़ा हो, या किसी बड़े दार्शनिक ग्रंथ का अंतिम पृष्ठ पलटकर गहरी सोच में डूब गए हों. उनकी आँखों में एक शिकार को पहचानने की तीक्ष्णता थी, और होंठों पर वो हल्की मुस्कान, जो किसी गहरे रहस्य को छिपाए हुए थी. वे ऐसे दिखते थे, जैसे किसी बहुत महत्वपूर्ण वैज्ञानिक शोध में लगे हों, और बस नोबेल की घोषणा होने ही वाली हो. दयाराम जी का पहला सूत्र, जो उनके जीवन का गीतापदेश थाः सही शिकार का चुनाव। . वे कभी किसी रिक्शावाले या छोटे दुकानदार के पास नहीं जाते थे. क्यों जाते भला? उन बेचारे मेहनतकशों के पास पाप का धन कहाँ होता है? उनके पास तो सिर्फ. पसीने की कमाई होती है, जो दान में नहीं, मजदूरी में मिलती है. मास्टर जी का निशाना हमेशा उच्च वर्ग होता था. सरकारी बाबू, जिनकी मेज पर रिश्वत की परतें जमी होती थीं; ठेकेदार, जिनकी बिल्डिंगों की नींव में बेईमानी का मसाला मिला होता था; या किसी बड़ी कोठी के मालिक, जिनके आलीशान बंगलों की दीवारों में किसी की आहें गूँजती थीं. मास्टर जी को भली-भाँति पता था कि इन लोगों की जेब में पाप का धन होता है, और पाप का धन दान में आसानी से निकलता है. क्यों निकलता है? क्योंकि दान से पाप धुलने का भ्रम होता है. ये ऐसा ही है, जैसे कोई बैंक लूटे और फिर उसमें से कुछ पैसा दान करके समाजसेवी बन जाए. दयाराम जी इस मनोविज्ञान के एपिडिमियोलॉजिस्ट थे. उन्हें पता था कि किस महामारी का इलाज किस दवा से होगा, और उस दवा को कैसे मिठाई में लपेटा जाएगा।

रूस ने यूक्रेन के सैन्य औद्योगिक ठिकानों पर किया बड़े पैमाने पर हमला, ओडेसा में 01 की मौत, 06 घायल

एजेंसी

मॉस्को/कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष ने एक बार फिर गंभीर रूप ले लिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि रूसी बलों ने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक परिसरों (मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स) पर बड़े पैमाने पर हमला किया है। मंत्रालय के अनुसार, यह हमला हाई-प्रिसिजन (अत्यधिक सटीक) हथियारों के जरिए हवाई, जमीनी और समुद्री मार्गों से किया गया, जिसमें ड्रोन का भी व्यापक उपयोग हुआ। सभी निर्धारित लक्ष्य सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर बताया कि से अबतक 300 से अधिक ड्रोन और 30 से अधिक क्रूज मिसाइलें यूक्रेनी क्षेत्र पर दागी गईं। हमले में ओडेसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उनकी वायुसेना ने रातभर में 71 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। जबकि मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि राजधानी की ओर बढ़ रहे 13 ड्रोन रूसी सुरक्षा बलों ने इंटरसेप्ट कर निष्क्रिय किए।

दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची चोटी 'के2' में हिमस्खलन, पाकिस्तान के पर्वतारोही की मौत

इस्लामाबाद। दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची चोटी 'के 2' पर हिमस्खलन की चपेट में आने से पाकिस्तान के पर्वतारोही मोहम्मद इफ्तिखार हुसैन की मौत हो गयी। तीन विदेशी पर्वतारोहियों को मामूली चोटें आईं। उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। 'के 2' को माउंट गॉडविन-ऑस्टिन भी कहा जाता है। यह काराकोरम पर्वतमाला की शृंखला है। 'के 2' पाकिस्तान और चीन सीमा पर है। यह शृंखला गिलगित-बाल्टिस्तान से चीन के झिंजियांग तक फैली है। जियो सुपर टीवी पाकिस्तान की स्कार्दू के डिप्टी कमिश्नर शिगर आरिफ हुसैन के हवाले से प्रसारित खबर के अनुसार, यह वाकया 18 जुलाई को दोपहर लगभग 2:30 बजे बेस कैंप से लगभग 500 मीटर ऊपर कैंप नंबर एक के पास हुआ। हिमस्खलन की चपेट में चार पर्वतारोही आए। इनमें तीन विदेशी और स्थानीय पर्वतारोही इफ्तिखार हुसैन हैं। इफ्तिखार हुसैन स्कार्दू के सदपारा के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि दो विदेशी पर्वतारोही सुरक्षित बेस कैंप में लौट आए, जबकि एक को मामूली चोट आई है। दुर्भाग्य से, इफ्तिखार हुसैन हिमस्खलन में फंस गए। बाद में उनका शव बरामद कर बेस कैंप लाया गया। इसके बाद अभियान दल ने पाकिस्तान के अल्पाइन क्लब के अध्यक्ष मेजर जनरल इरफान अरशद से इफ्तिखार का शव उनके घर पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

अमेरिका के वाशिंगटन में गोलीबारी, तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के वाशिंगटन राज्य में रविवार को एक गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। रेंटन पुलिस विभाग के अनुसार, गोलीबारी की घटना के बाद इलाके को सील कर दिया गया है और संदिग्ध की तलाश शुरू कर दी गई है, जो अभी फरार है। यह गोलीबारी मीडो क्रेस्ट प्लेग्राउंड, मीडो क्रेस्ट पिकलबॉल और टेनिस कोर्ट, और मीडो क्रेस्ट अर्ली लर्निंग सेंटर के पास हुई। रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है, लेकिन पुलिस ने अभी तक मौतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। एक प्रवक्ता ने कोमो न्यूज को बताया कि गोलीबारी हुई और तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, 'अधिकारी शाम 7:30 बजे के बाद किर्कलैंड एवेन्यू एनई और एनई 18वीं स्ट्रीट के पास हुई गोलीबारी की जांच कर रहे हैं, जिसमें कई लोग मारे गए। यह एक सक्रिय घटनास्थल है, इसलिए भारी पुलिस बल तैनात रहने की उम्मीद है। कृपया इस इलाके में जाने से बचें। पीआईओ रास्ते में हैं।' हालांकि, पीड़ितों की पहचान अभी उजागर नहीं की गई है, लेकिन पुलिस ने पुष्टि की है कि गोलीबारी में तीन लोग मारे गए हैं। फिलहाल जांचकर्ता घटनास्थल पर मौजूद हैं, सबूत इकट्ठा कर रहे हैं और संदिग्ध के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं।

सऊदी अरब के 'स्लीपिंग प्रिंस' का निधन, 20 साल से कोमा में थे

रियाद। सऊदी अरब के 'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से मशहूर प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल अल सऊद का 36 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह करीब दो दशक कोमा में थे। प्रिंस अल-वलीद के परिवार ने रविवार को उनके निधन की पुष्टि की है। प्रिंस अल-वलीद के पिता प्रिंस खालिद बिन तलाल बिन अब्दुल अजीज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, अल्लाह के हुक्म, नियति में पूर्ण विश्वास और गहरे दुःख के साथ, हम अपने प्यारे बेटे प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल बिन अब्दुल अजीज अल सऊद के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। अल्लाह उन पर रहम करे। परिवार ने घोषणा की है कि रविवार को रियाद स्थित इमाम तुर्की बिन अब्दुल्ला मस्जिद में असर की नमाज बाद अंतिम संस्कार की नमाज अदा की जाएगी। साल 2005 में कार एक्सीडेंट के बाद प्रिंस अल-वलीद कोमा में चले गए थे। हादसे के वक्त वह महज 15 साल के थे।

वियतनाम: तूफान 'विफा' के कारण हलोंग खाड़ी में पर्यटकों से भरी नाव पलटी, 27 की मौत

एजेंसी

हनोई। वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हलोंग खाड़ी में शनिवार को एक भीषण नाव हादसा हुआ, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 को जीवित बचा लिया गया है। हादसे के समय नाव में कुल 53 लोग सवार थे। यह हादसा तूफान 'विफा' के प्रभाव से बिगड़े मौसम के कारण हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी और स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दुर्घटना शनिवार दोपहर बाद उस समय हुई जब नाव भारी बारिश, तेज हवा और बिजली की चपेट में आ गई। अधिकांश यात्री राजधानी हनोई से थे।

आठ बच्चों की मौत

वियतनाम की सरकारी समाचार एजेंसी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि मृतकों में 8 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने अब तक सभी

पीड़ितों की राष्ट्रीयता की पुष्टि नहीं की है, लेकिन अधिकांश पर्यटक स्थानीय बताए जा रहे हैं। दक्षिण चीन सागर से उठे तूफान विफा के बारे में पहले ही चेतावनी जारी की गई थी। यह इस साल इस क्षेत्र में आने वाला तीसरा बड़ा तूफान है, जो अगले सप्ताह की शुरुआत में वियतनाम के उत्तरी तट से टकरा सकता है। खराब मौसम का असर हवाई उड़ानों पर भी पड़ा है। नोई बाई हवाई अड्डे ने बताया कि शनिवार को 9 आने वाली उड़ानों को अन्य एयरपोर्ट्स पर डायवर्ट करना पड़ा और 3 उड़ानों की रवानगी अस्थायी रूप से रोक दी गई।

राहत और बचाव कार्य जारी

राहत दल नाव के मलबे और आसपास के समुद्री क्षेत्र में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और बचाव टीमें लगातार मौके पर तैनात हैं। अब तक 27 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 11 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। उल्लेखनीय है कि हनोई से लगभग 200 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित हालोंग खाड़ी अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता और नाव पर सैर के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन खराब मौसम की स्थिति में यह क्षेत्र संवेदनशील हो जाता है।

रूस ने यूक्रेनी सैन्य प्रतिष्ठानों पर किया हमला, जेलेंस्की बोले- दागी गईं क्रूज मिसाइलें

एजेंसी

मास्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि शनिवार देर रात रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य प्रतिष्ठानों पर बड़ा हमला किया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस हमले में हवाई, जमीनी और समुद्री हथियारों के साथ-साथ ड्रोन भी शामिल थे। सभी निर्धारित लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि रूस ने रातभर में 300 से ज्यादा ड्रोन और 30 से ज्यादा क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे ओडेसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि उसकी फोर्स ने रात भर में 71 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि राजधानी की ओर आते हुए 13 ड्रोनों को रोक दिया गया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने सोमवार को बताया था कि रूस यूक्रेन के साथ बातचीत के एक और दौर के लिए तैयार है, लेकिन कीव स्पष्ट रूप से किसी जल्दबाजी में नहीं है। दिमित्री पेसकोव ने कहा, कीव स्पष्ट रूप से समय ले रहा है। हम अभी भी टाइमलाइन से संबंधित प्रस्तावों का इंतजार कर रहे हैं। रूसी पक्ष बातचीत जारी रखने और तीसरे दौर की बातचीत करने को तैयार है। इस बीच रूसी अखबार इजवेस्टिया से बात करते हुए, देश के उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजिन ने कहा कि रूस यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत जारी रखेगा। इस्तांबुल में हुई पिछली दो बैठकों में हिस्सा लेने वाले गालुजिन ने कहा, यह सहमति बनी है कि रूस-यूक्रेनी सीधी बातचीत जारी रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति को पार्टी की सदस्यता देने का अंतिम अधिकार ओली को सौंपा गया

एजेंसी

काठमांडू। सक्रिय राजनीति में आने के बाद पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को पार्टी की सदस्यता देने के लिए रविवार को नेकपा एमाले पार्टी की पोलित ब्यूरो की बैठक चल रही है। इस बैठक में पूर्व राष्ट्रपति को पार्टी की सदस्यता देने का अंतिम अधिकार पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को सौंपा गया है। पार्टी की पोलित ब्यूरो की बैठक में पूर्व राष्ट्रपति की सक्रिय राजनीति को लेकर चर्चा जारी है।

पार्टी के अधिकांश सदस्य उनके सक्रिय राजनीति में आने का समर्थन कर रहे हैं, पर कुछ नेता इसका विरोध भी कर रहे हैं। बैठक में पार्टी अध्यक्ष ओली ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति के सक्रिय राजनीति में आने से पार्टी के भीतर गुटबंदी बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ उनकी पार्टी एमाले ही नहीं, देश के अन्य राजनीतिक दलों में भी इसको लेकर अलग-अलग धारणा सामने आ रही है। ओली ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से वो भी इसके पक्ष

में नहीं है, लेकिन यहां पार्टी के कई नेताओं के विचार सुनने के बाद उन्हें पार्टी की सदस्यता देने का फैसला तुरंत ही नहीं लिया जा सकता है। ओली ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति के सक्रिय राजनीति में आने का क्या कुछ असर हो सकता है, इसका सूक्ष्म विश्लेषण करते हुए ही उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा। पार्टी के नेताओं ने मांग की है कि अगले विधान अधिवेशन से पहले ही विद्या भंडारी की सदस्यता को लेकर फैसला कर लिया जाए, ताकि अगले महाधिवेशन में भंडारी भी आंतरिक चुनाव में हिस्सा ले सकें।

ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले को लेकर ट्रंप का दावा- पूरी तरह से तबाह कर दिए गए

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी हमलों को लेकर चल रही बहस के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को जोर देकर कहा कि अमेरिका के हमलों ने ईरान के सभी तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों को पूरी तरह 'नष्ट' कर दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'ईरान के सभी तीन परमाणु स्थल पूरी तरह से नष्ट कर दिए गए हैं। इन्हें दोबारा चालू करने में वर्षों लगेंगे और अगर ईरान ऐसा करना भी चाहे, तो बेहतर होगा कि वे इन्हें नई जगहों पर शुरू करें।' ट्रंप का यह दावा ऐसे समय आया है जब एनबीसी की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों में ईरान के केवल दो परमाणु ठिकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट में पांच वर्तमान और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि दो स्थानों को इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त नहीं किया गया है कि वहां परमाणु संवर्धन दोबारा न शुरू हो

सके। एनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, तीन में से दो ठिकानों को केवल इतना नुकसान पहुंचा कि कुल मिलाकर यह हमला उतना निर्णायक नहीं रहा जितना ट्रंप ने दावा किया है। ईरान आने वाले कुछ महीनों में फिर से परमाणु संवर्धन शुरू कर सकता है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि तीसरा स्थल अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित हुआ है, लेकिन

बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी का ढाका में शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी ने आज राजधानी ढाका में रैली कर शक्ति प्रदर्शन किया। रैली में देशभर के विभिन्न हिस्सों से लगभग पांच लाख लोग बसों और रेलगाड़ियों से पहुंचे हैं। रैली में अंतरिम सरकार से आह्वान किया गया है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराया जाए। यह रैली सुहरावर्दी उद्यान में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सुबह लगभग साढ़े नौ बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम से शुरू हुई। रैली अभी भी चल रही है।

ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार अखबार के अनुसार, इस उद्यान में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की रैली का यह पहला चरण है। जमात अमीर शफीकुर्रहमान के संबोधन में बड़ी घोषणा हो सकती है। उद्यान खचाखच भरा हुआ है। पार्टी नेता और कार्यकर्ता विभिन्न जिलों से बस, ट्रेन और अन्य साधनों से पहुंचे हैं। यह इस ऐतिहासिक स्थल पर पार्टी की पहली राजनीतिक रैली है। पार्टी

पदाधिकारियों के अनुसार, कार्यकर्ताओं को राजधानी लाने के लिए लगभग 12,000 बसों और विशेष रेलगाड़ियों का इंतजाम किया गया। रसद प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के लिए 20 स्थानों पर लगभग 6,000 स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। पंद्रह चिकित्सा केंद्र और पार्किंग क्षेत्र की व्यवस्था की गई है।

इस बीच, बांग्लादेश रेलवे ने जमात के अनुरोध पर रैली के लिए चार जोड़ी विशेष ट्रेनों के संचालन को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा राजशाही, सैयदपुर और अन्य जिलों से ढाका जाने वाली ट्रेनों में दो से तीन अतिरिक्त कोचों की व्यवस्था की गई है। इस रैली में जमात के साथ विभिन्न समान विचारधारा वाले राजनीतिक दल भी हिस्सा ले रहे हैं।

बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की मांग है कि अंतरिम सरकार स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराए।सभी नरसंहारों के लिए न्याय की शुरुआत की जाए। जुलाई चार्टर के कार्यान्वयन की घोषणा तत्काल हो। साथ ही जुलाई विद्रोह में शहीद और घायल लोगों के परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पार्टी नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय चुनाव में आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की शुरुआत कर एक करोड़ से अधिक प्रवासी मतदाताओं की भागीदारी तय होनी चाहिए।

भारत-नेपाल के बीच गृह सचिव स्तरीय बैठक अगले सप्ताह काठमांडू में

एजेंसी

काठमांडू। भारत और नेपाल के बीच गृह सचिव स्तरीय बैठक अगले सप्ताह काठमांडू में होने जा रहा है। दोनों देशों के बीच यह बैठक 9 वर्षों के बाद होने जा रही है। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक ने यह जानकारी दी। रमेश लेखक ने संसदीय समिति को बताया कि इस बैठक का उद्देश्य सीमा पार आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए समन्वय प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अंतराष्ट्रीय सीमा खुला होने के कारण इसके नियमन पर इस बैठक में

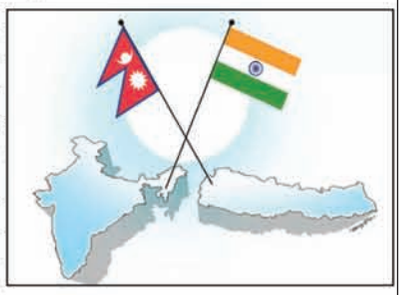

चर्चा की जाएगी।उन्होंने बताया कि बैठक में गृह सचिव के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय के सह सचिव, विदेश, कानून, नापी विभाग के प्रतिनिधि सहभागी होंगे। इसके साथ ही नेपाल पुलिस सशस्त्र प्रहरी, राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के प्रतिनिधि भी बैठक में अपेक्षित हैं।उल्लेखनीय है कि भारत और नेपाल के बीच गृह सचिव स्तरीय बैठक इसके पहले वर्ष 2016 में 8-9 सितंबर को नई दिल्ली में हुई थी।

सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति ने बेदुईन कबीलों से संघर्षविराम का पूर्ण पालन करने की अपील की

एजेंसी

बेरूत। सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शराआ ने दक्षिणी प्रांत सुवैदा में ड्रूज लड़ाकों के साथ हुई हिंसक झड़पों को समाप्त करने के लिए सुन्नी मुस्लिम बेदुईन कबीलों से संघर्षविराम का 'पूर्ण रूप से पालन' करने की अपील की है। यह झड़पें चार दिनों तक चलीं और इसमें सैकड़ों लोगों की जान गई, जिससे युद्धोत्तर संक्रमणकालीन प्रक्रिया खतरे में पड़ गई थी। राष्ट्रपति अल-शराआ ने अपने दूसरे टेलीविजन संबोधन में ड्रूज़-समर्थित सुवैदा के सशस्त्र गुटों को हिंसा के फिर से भड़कने के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि बेदुईनों और उनके परिवारों पर बदले की कार्रवाई ने हालात को फिर से बिगाड़ दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इज़रायल की सैन्य कार्रवाई ने देश को 'एक

खतरनाक मोड़' पर ला खड़ा किया है। राष्ट्रपति शराआ ने दोहराया कि 'सुवैदा सीरियाई राज्य का अभिन्न हिस्सा है और ड्रूज़ समुदाय सीरिया के राष्ट्रीय ताने-बाने का एक मजबूत स्तंभ है। उन्होंने अमेरिका, अरब देशों और तुर्की को इस कठिन समय में सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। अपने संबोधन में उन्होंने बेदुईनों से कहा, आप राज्य की भूमिका को नहीं निभा सकते। सुरक्षा बहाली और व्यवस्था लागू करना केवल सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने बेदुईनों की वीरता की सराहना करते हुए उनसे संघर्षविराम के तहत राज्य के आदेशों का पालन करने की अपील की। दूसरी ओर, सुवैदा में प्रभावशाली ड्रूज़ धर्मगुरु शेख हिकमत अल-हिजरी, जिन्होंने घोषित संघर्षविरामों से खुद को अलग कर लिया था, ने कहा कि गारंटर देशों की निगरानी में जो समझौता हुआ है उसमें संघर्ष कम करने के कई प्रावधान शामिल हैं। इनमें सीमाई गांवों में 48 घंटे तक बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक, प्रशासनिक सीमा के बाहर चेकपोस्ट की तैनाती और अब भी फंसे बेदुईन नागरिकों को सुरक्षित निकासी की गारंटी शामिल है। इससे पहले, अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक ने तड़के घोषणा की कि इज़रायल और सीरिया के बीच संघर्षविराम पर सहमति बन गई है। हालांकि, राष्ट्रपति अल-शराआ ने इस समझौते का सीधा ज़िक्र नहीं किया, लेकिन यह स्वीकार किया कि अमेरिकी और अरब मध्यस्थताओं ने स्थिति को शांत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लॉस एंजेलेस में वाहन भीड़ पर चढ़ा, 30 लोग घायल, तीन की हालत गंभीर

एजेंसी

लॉस एंजेलेस। अमेरिका के लॉस एंजेलेस शहर में तड़के एक तेज रफ्तार वाहन एक नाइट क्लब के बाहर भीड़ में जा घुसा। इस हादसे में कुल 30 लोग घायल हुए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। यह घटना ईस्ट हॉलीवुड स्थित सैंटा मोनिका बुलेवार्ड पर हुई, जहां लोग क्लब में प्रवेश के लिए कतार में खड़े थे। लॉस एंजेलेस सिटी फायर डिपार्टमेंट के सार्वजनिक सूचना अधिकारी कैप्टन एडम वैन गर्पेन ने जानकारी दी कि यह हादसा तब हुआ जब एक निसान वर्सा कार ने नाइट क्लब के बाहर खड़े लोगों, एक टैको ट्रक और वेलट स्टैंड को टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए लोगों को नजदीकी अस्पतालों और ट्रॉमा सेंटरों में भर्ती कराया गया है। घायलों में से एक व्यक्ति को गोली भी लगी थी, जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। अधिकारी ने पुष्टि की है कि यह

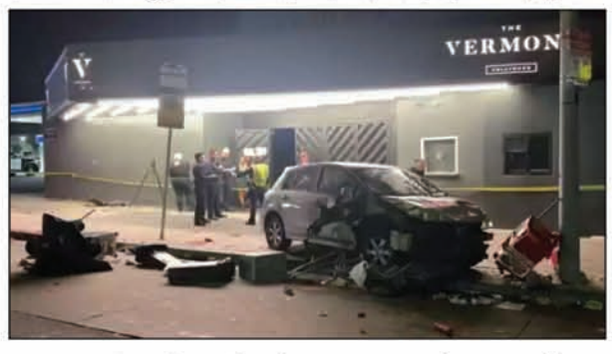

मामला अब पुलिस की जांच के दायरे में है और लॉस एंजेलेस पुलिस विभाग (एलएपीडी) इसकी विस्तृत जांच कर रहा है। घटना के वक्त वर्मोट हॉलीवुड नामक क्लब में रैगे/हिप-हॉप कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के बाद क्लब के अंदर मौजूद लोगों ने बाहर निकलकर घायलों की मदद की और शुरुआती राहत पहुंचाई।

ब्रिटेन ने रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी और उसके 18 एजेंटों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन ने रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की विदेशी सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू पर गंभीर आरोप जड़ते हुए प्रतिबंध लगा दिया है। ब्रिटिश अधिकारियों ने जीआरयू और उसके 18 एजेंटों पर प्रतिबंध लगाने की पुष्टि की। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रतिबंध ब्रिटेन और यूरोप में अराजकता और अव्यवस्था फैलाने की वजह से लगाए गए हैं। रूस के समाचार पत्र द मॉस्को टाइम्स की खबर के अनुसार, ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने बयान में कहा, जीआरयू के जासूस यूरोप को अस्थिर करने, यूक्रेन की संप्रभुता को कमजोर करने और ब्रिटिश नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालने का अभियान चला रहे हैं। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने कहा कि प्रतिबंधों का लक्ष्य जीआरयू की तीन इकाइयां और 18 खुफिया अधिकारी हैं। यह सभी कथित तौर पर ब्रिटेन में कई वर्षों से दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधि का अभियान चला रहे हैं। बयान में कहा गया कि जीआरयू नियमित रूप से यूक्रेन और दुनिया भर में अराजकता, विभाजन और अव्यवस्था फैलाने के लिए साइबर और सूचना अभियानों का इस्तेमाल करता है। ब्रिटेन ने प्रतिबंध के दायरे में पूर्व रूसी एजेंट सर्गेई स्क्रिपल की बेटी यूलिया स्क्रिपल पर मैलवेयर हमले की कोशिश से जुड़े एजेंट भी शामिल किए हैं। यूलिया और उनके पिता को 2018 में सैलिसबरी में जहर देने की कोशिश की गई थी।

अमेरिका में क्रिप्टोकरेंसी युग की शुरुआत

एजेंसी

वाशिंगटन। दुनियाभर की अर्थव्यवस्था के इतिहास में संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रांतिकारी बदलाव की शुरुआत हुई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में जीनियस अधिनियम (पहले प्रमुख संघीय कानून) पर हस्ताक्षर करने के साथ देश क्रिप्टोकरेंसी के युग में प्रवेश कर गया। प्रतिनिधि सभा ने गुरुवार को जीनियस अधिनियम (प्रमुख संघीय क्रिप्टोकरेंसी विधेयक) को द्विदलीय समर्थन से पारित किया। सीनेट ने एक महीने पहले ही इसे मंजूरी दी थी। एबीसी न्यूज के अनुसार, ट्रंप का परिवार शुरू से क्रिप्टोकरेंसी का पक्षधर रहा है। राष्ट्रपति की प्रमुख प्राथमिकता वाला यह विधेयक स्टेबलकॉइन (विशिष्ट प्रकार की डिजिटल मुद्रा) को और अधिक सुलभ और मुख्यधारा में लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। ट्रंप कई बार सार्वजनिक मंचों पर इसके महत्व की चर्चा कर चुके हैं। सनद रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने इस साल की शुरुआत में अपना क्रिप्टो मीम कॉइन लॉन्च

किया था। ट्रंप ने हस्ताक्षर करने के बाद कहा, मैंने वादा पूरा किया। मैंने कहा था कि हम संयुक्त राज्य अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बनाएंगे। मैंने वह करके दिखा दिया। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि स्टेबलकॉइन ऐसी क्रिप्टोकरेंसी होगी जिसका मूल्य अमेरिकी डॉलर जैसी स्थिर संपत्ति जैसा होगा। जीनियस अधिनियम बैंकों और अन्य संस्थाओं के लिए इन कॉइन्स को जारी करना आसान बनाता है। इससे इन संपत्तियों में जनता का विश्वास बढ़ेगा। साथ ही उद्योगों का समग्र विकास भी होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से कहा था कि वह अगस्त तक इस ऐतिहासिक विधेयक को मंजूर कर उनके पास भेजे। प्रतिनिधि सभा की वित्तीय सेवा समिति के अध्यक्ष रिपब्लिकन प्रतिनिधि फ्रेंच हिल ने कहा कि हमने ट्रंप की इच्छा का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक सदन में रिपब्लिकन सदस्यों के बीच नौ घंटे तक चली बहस के बाद 308 बनाम 122 मतों से पारित हो गया। बताया गया है कि कई डेमोक्रेट्स ने भी इस विधेयक का समर्थन किया। हालांकि हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी की वरिष्ठ सदस्य डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि मैक्सिन वाटर्स ने इस विधेयक की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इससे ट्रंप परिवार से जुड़ी एक कंपनी को फायदा होगा। उसने हाल ही में अपना स्टेबलकॉइन लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप परिवार से जुड़ी कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल एक क्रिप्टो उद्यम में 60 फीसद हिस्सेदारी रखती है। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ने पूर्व में जारी बयान में कहा था कि उसका अमेरिकी सरकार से कोई संबंध नहीं है। वह निजी कंपनी है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि इससे किसी के हित नहीं सधेंगे। ट्रंप की संपत्ति को अब उनके बच्चों की है। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप और उनका परिवार क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में पूरी तरह से डूब गए हैं। क्रिप्टो समर्थक इसे अपनी बड़ी जीत मान रहे हैं। उन्होंने इसे वैधता दिलाने के लिए लंबे समय से इस तरह के नियामक ढांचे की पैरवी की है। इस अवसर पर ट्रंप ने कहा कि यह हस्ताक्षर आपकी कड़ी मेहनत का नतीजा है।

जिंस बाजार में गेहूं महंगा, दालें सस्ती, अधिकतर खाद्य तेल मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू जिंस बाजारों में गेहूं के भाव में तेजी रही। अधिकतर खाद्य तेल भी महंगे हुए। इसके विपरीत दालें सस्ती हुईं। गुड़-चीनी में भी मंदी देखी गयी। घरेलू थोक बाजारों में ग्राहकों के आने से अनाजों में चावल की औसत कीमत 3,818 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं करीब 22 रुपये के उछाल के साथ 2,834 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी 18 रुपये से ज्यादा महंगा हुआ और औसतन 3,286 रुपये पर रहा। अधिकतर खाद्य तेलों में तेजी रही। हालांकि मूँगफली तेल 225 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। सरसों तेल 95 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। सोया तेल भी 90 रुपये से ज्यादा चढ़ा। वनस्पति के दाम भी 33 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा चढ़े। सूरजमुखी तेल में 17 रुपये की तेजी रही। पाम ऑयल भी लगभग 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। दाल-दलहनों में मंदी का रुख रहा। दलहन बाजार में चना दाल करीब 17 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल करीब 108 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल 72 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई जबकि मसूर दाल में 24 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक की नरमी रही। दाल मूंग भी सात रुपये से अधिक की तेजी दर्ज की गयी।

जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा

अहमदाबाद। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 जुलाई को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में कहा है कि जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड इक्विटी शेयरों के अपने आईपीओ के संबंध में प्रस्ताव खोलेगी। एंकर निवेशक प्रस्ताव खोलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले है, जो 22 जुलाई है। प्रस्ताव की अंतिम तिथि शुक्रवार है। कुल ऑफर साइज में दो रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य 400 करोड़ रुपये तक है तथा दो रुपये अंकित मूल्य वाले 2,550,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। इस निर्गम का मूल्य बैंड 225 रुपये से 237 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है। न्यूनतम 63 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 63 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगायी जा सकती हैं। कंपनी ने शुद्ध आय का उपयोग कंपनी और उसकी सहायक कंपनी अर्थात इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार एफजेडसी द्वारा लिये गये कुछ बकाया उधारों के सभी या कुछ भाग के पूर्व भुगतान और/ या पुनर्भुगतान, पूर्ण या आंशिक रूप से तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

'हमारा सफर अभी शुरू ही हुआ है', आंध्र प्रदेश में प्लांट लगाने के आमंत्रण पर बोले आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मंत्री और सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदपा) के महासचिव नारा लोकेश के राज्य में ऑटोमोबाइल प्लांट लगाने के आमंत्रण पर महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने शनिवार को कहा कि उन्हें ऐसा करके गर्व होगा। श्री महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नारा लोकेश के एक पोस्ट के शेयर करते हुए लिखा, आपका धन्यवाद। आंध्र प्रदेश में कई अवसर हैं। आंध्र प्रदेश की यात्रा में सहभागी बनकर हम गौरवान्वित होंगे। हमारी टीमें सौर ऊर्जा से लेकर माइक्रो इरिगेशन तक, और निस्संदेह पर्यटन समेत कई क्षेत्रों को लेकर बात कर रही हैं। हमारी यात्रा अभी शुरू ही हुई हैज देखते हैं भविष्य के गर्भ में क्या छिपा है। इससे पहले श्री लोकेश ने महिंद्रा के फ्यूरियो-8 ट्रक का एक वीडियो विज्ञापन शेयर करते हुए आनंद महिंद्रा को आंध्र प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया था। यह विज्ञापन खुद आनंद महिंद्रा के एक्स हैंडल से पोस्ट किया गया था और तेलुगु में था। तेदपा के महासचिव ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें तेलुगु विज्ञापन पसंद आया। उन्होंने लिखा, आपके वाहनों के लिए आंध्र प्रदेश एक बड़ा बाजार है और मुझे यकीन है कि विज्ञापन को लोग पसंद करेंगे। आप हमारे आधुनिक ऑटोमोटिव इकोसिस्टम और बड़े बाजार का लाभ उठाकर आंध्र प्रदेश में महिंद्रा विनिर्माण संयंत्र लगाने पर विचार क्यों नहीं करते।

बाजरा किसानों को प्रोत्साहित करने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार पौष्टिकता से भरपूर श्रीअन्न की प्रमुख फसल बाजरा के उत्पादन को लेकर किसानो का लगातार उत्साहवर्धन कर रही है। उत्तर प्रदेश में धान, गेहूं एवं मक्का के पश्चात लगभग 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बाजरा की खेती की जाती है। बाजरा के दानो में भरपूर पौष्टिकता होती है। विशेष रूप से फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बीकॉम्पलेक्स, कैल्शियम, फास्फोरस एवं मैगनीज तत्वों के साथ एन्टीआक्सीडेंट भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करती है। इससे बाजार में इसकी मांग है। बाजरा के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ में औषधीय गुण भी पाये जाते हैं। बाजरा के उत्पाद मधुमेह के नियंत्रण, हृदय के स्वास्थ्य सुधार हेतु उपयुक्त, ग्लुटेन मात्रा कम पाये जाने के कारण पेट के रोगों से राहत दिलाने में सहयोग के साथ ही वर्तमान समय में मोटापा कम करने और वजन सुधार में भी लाभदायक है।

सर्राफा बाजार में फिर लखटकिया हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी का रुख बना रहा। सोना शनिवार को 640 रुपये से 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह चांदी भी आज 2,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हुई। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,040 रुपये से लेकर 1,00,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,700 रुपये से लेकर 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,16,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24

कैरेट सोना आज 1,00,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 12.2 प्रतिशत बढ़ा, बोनस शेयर-लाभांश की घोषणा

एजेंसी

मुंबई। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मुनाफा साल-दर-साल 12.2 प्रतिशत बढ़कर 181.6 अरब रुपये पर पहुंच गया। निदेशक मंडल की हुई बैठक में तिमाही वित्तीय परिणामों की घोषणा की गयी। तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध राजस्व 531.7 अरब रुपये रहा। इस दौरान ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 5.4 फीसदी बढ़कर 314.4 अरब रुपये पर पहुंच गयी। अच्छे तिमाही परिणाम को देखते हुए निदेशक मंडल ने हर शेयर पर एक बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 27 अगस्त 2025 होगी। शेयरधारकों को प्रति शेयर पांच रुपये का अंतरिम लाभांश भी दिया जायेगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 25 जुलाई 2025 होगी। लाभांश का भुगतान 11 अगस्त 2025 को किया जायेगा। एक साल पहले की तुलना में बैंक की जमा का औसत 16.4 प्रतिशत बढ़कर 26,576 अरब रुपये पर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बैंक का कासा डिपॉजिट 8,604 अरब रुपये रहा। पिछले एक साल में उसका सकल एनपीए 1.33 प्रतिशत से बढ़कर 30 जून 2025 को 1.40 प्रतिशत हो गया। इस दौरान शुद्ध एनपीए 0.39 प्रतिशत से बढ़कर 0.47 प्रतिशत पर पहुंच गया।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बहुप्रतीक्षित व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर 01 अक्टूबर से लागू होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) 01 अक्टूबर से लागू होगा। इससे निवेश और बाजार पहुंच के लाभ प्राप्त होंगे। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को टीईपीए पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित भारत-ईएफटीए डेस्क की शुरुआत की है। यह अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए

टीईपीए की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह डेस्क सरकार और निजी कंपनियों दोनों के लिए एकल खिड़की मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे भारत के तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में ईएफटीए-आधारित निवेशकों के लिए प्रवेश आसान हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षरित इस ऐतिहासिक समझौते से बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आने तथा कई क्षेत्रों में व्यापार और आर्थिक सहयोग गहरा होने की उम्मीद है। ईएफटीए ने 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का वादा किया है। ईएफटीए यूरोप के चार देशों का एक क्षेत्रीय व्यापार संगठन एवं मुक्त व्यापार क्षेत्र है, जिसमें आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल है।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21 जुलाई को गूगल और मेटा को तलब किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामलों की जांच के सिलसिले में दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल और मेटा को नोटिस जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इन टेक कंपनियों को पूछताछ के लिए 21 जुलाई को बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने सट्टेबाजी अनुप्रयोगों से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के संबंध में दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल और मेटा को नोटिस जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सट्टेबाजी ऐप मामले में गूगल और मेटा को 21 जुलाई को तलब किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गूगल और मेटा प्लेटफॉर्म विज्ञापनों के जरिए सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा दे रहे हैं और उपयोगकर्ताओं तक उनकी पहुंच को आसान बना रहे हैं। एजेंसी इन अवैध ऐप्स के प्रचार में डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका की जांच कर रही है, जो धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002

(पीएमएलए) के संभावित उल्लंघन के लिए जांच के दायरे में हैं। उल्लेखनीय है कि यह कदम ईडी की ओर से मुंबई में एक बड़े डिब्बा व्यापार और ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में चार ठिकानों पर छापेमारी के कुछ दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें 3.3 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी, लग्?जरी घड़ियां, आभूषण, विदेशी मुद्रा और लग्जरी वाहन जब्त किए गए थे। केंद्रीय जांच एजेंसी को तलाशी अभियान के दौरान नकदी गिनने वाली मशीनें भी मिलीं थीं।

भारत-अमेरिका ने प्रस्तावित व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता पूरी की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर जल्द सहमति बन सकती है। भारत और अमेरिका की टीमों ने बीटीए के लिए वाशिंगटन में 17 जुलाई को पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच बीटीए के लिए पांचवें दौर की बातचीत पूरी हो गई है। दोनों देशों के अधिकारियों की टीमों के बीच यह वार्ता 17 जुलाई को वाशिंगटन में सपन्न हुई जो चार दिनों 14 से 17 जुलाई तक चली। भारत इस्पात और एल्युमीनियम पर (50 फीसदी), वाहन (25 फीसदी) और अन्य उत्पादों पर लगे अतिरिक्त शुल्क (26 फीसदी) को हटाने की मांग कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय टीम वापस आ रही है। भारत के मुख्य वार्ताकार और

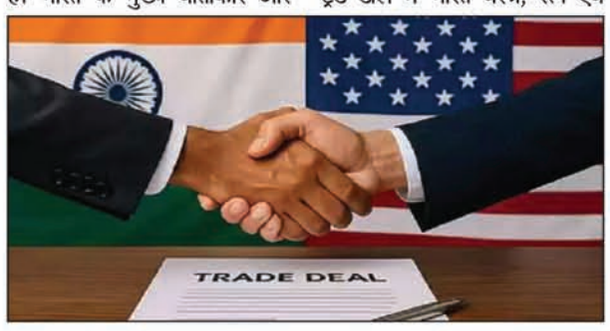

वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच यह बातचीत महत्वपूर्ण हैं, दोनों पक्ष 1 अगस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। दरअसल, ट्रेड डील में भारत वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में टैरिफ रियायतें चाहता है। वहीं, अमेरिका वाइन, पेट्रोकेमिकल्स, कृषि उत्पाद, डेयरी, सेब, मेवे और जीएम फसलें जैसे उत्पादों पर शुल्क में छूट देने की मांग कर रहा है। इस बीच केंद्रीय मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि कहा, मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि हम मीडिया के माध्यम से बातचीत नहीं करते हैं। हम वार्ता कक्ष में बातचीत करते हैं, बातचीत चल रही है। एक बार टीम वापस आ जाए तो हमें प्रतिक्रिया और प्रगति का फीडबैक मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस साल 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर उच्च जवाबी शुल्कों की घोषणा की थी। इन शुल्कों के कार्यान्वयन को 90 दिनों के लिए 9 जुलाई और फिर एक अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

इलेक्ट्रॉनिका इंडिया, प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया का आयोजन हर साल बैंगलुरू, दिल्ली में

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रानिक उद्योग के तीव्र विकास की जरूरतों के मद्देनजर इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया का आयोजन अगले वित्त वर्ष से हर साल दिल्ली-एनसीआर और बैंगलुरू में किया जाएगा। इलेक्ट्रानिक उद्योग की यह प्रतिष्ठित प्रदर्शनी मेसे मुंशेन इंडिया भारतीय उद्योग जगत और सरकार के सहयोग से आयोजित करती है। मेसे मुंशेन इंडिया का यह आयोजन बैंगलुरू में इस वर्ष 17-19 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा और दिल्ली-एनसीआर में इसका आयोजन अगले साल अप्रैल में होगा। आयोजकों के अनुसार बैंगलुरू में 800 से अधिक इकाइयां अपने उत्पाद प्रदर्शित करने आएंगी जो इस प्लेटफॉर्म के विस्तार एवं महत्व को दर्शाता है। मेसे मुंशेन इंडिया की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस उसके प्रतिनिधियों ने इस बारे में सैमसंग, सिरमा एसजीएस, सहस्त्र ग्रुप, कैपिटल मीटर्स, वीवीडीएन आदि मुख्य इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग कंपनियों तथा ईएलसीआईएनए, आईसीईए, क्लिक, ईएलसीआईए, फिक्की, आईपीसी और एपिक जैसी फर्मों तथा उद्योग संघोषणों से परामर्श किया है। इन कार्यक्रमों की घोषणा ऐसे समय की गयी जबकि इलेक्ट्रानिक उत्पादों का विकास बहुत तेजी से हो रहा है, क्षेत्रीय मैनुफैक्चरिंग बढ़ रही है, और एक ज्यादा मजबूत आपूर्ति श्रृंखला समय की मांग है। मेसे मुंशेन इंडिया ने कहा है कि एक सर्वे में शामिल 70 प्रतिशत खरीददारों ने प्रदर्शनी को वार्षिक करने का समर्थन किया है। मेसे मुंशेन जीएमबीएच के सीईओ, डॉ. रीनहार्ड फीफर ने कहा, ''ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण होती जा रही है।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की चाल

जेंसी

मुंबई। लगातार तीन सप्ताह की गिरावट के बाद अगले सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने में घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक स्तर पर अमेरिका में स्टेबलकॉइन को लेकर बने नये कानून की अहम भूमिका होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स' (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिये जिसका असर सोमवार को बाजार खुलते ही दिखेगा। खासकर स्टेबलकॉइन जारी करने वालों के लिए शत-प्रतिशत रिजर्व रखने के प्रावधान से डॉलर और अल्पावधि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की मांग बढ़ेगी और ये मजबूत होंगे। इससे विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं। अमेरिका द्वारा नये टैरिफ को लेकर अंतिम समझौते से

पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं और उनका यह रुख आगे भी जारी रहने की संभावना है। सप्ताह के दौरान 21 जुलाई को इटरनल, 23 जुलाई को इंफोसिस और 25 जुलाई को बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज के परिणाम जारी होने हैं। आईडीबीआई, यूको बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा बैंक समेत कई बैंकों के परिणाम भी सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। निवेशकों की नजर सोमवार को जारी होने वाले आठ प्रमुख उद्योगों के आँकड़ों पर भी रहेगी। बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में जहाँ लगातार तीसरी साप्ताहिक गिरावट रही, वहीं मझौली और छोटी कंपनियों के निवेशक लाभ में रहे। बीएसई का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 मंगलवार और छोड़कर शेष तीन दिन लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 0.90 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट के साथ 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 0.72 प्रतिशत लुढ़ककर 24,968.40 अंक पर आ गया। यह दोनों का एक महीने का निचला स्तर है। निफ्टी-100 में 0.53 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी तरफ, मिडकैप और स्मॉलकैप में साप्ताहिक तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 में 0.99 प्रतिशत का उछाल देखा गया और यह 16,645.40 अंक पर रहा।

सीपीएसई में उद्योग 4.0 अपनाने और डिजिटल परिवर्तन पर कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। नवाचार और स्मार्ट विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में एक रणनीतिक कदम के रूप में वित्त मंत्रालय के सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) ने नई दिल्ली में उद्योग 4.0 पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और दिग्गजों ने अपने विचार व्यक्त किए। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस कार्यशाला का उद्घाटन लोक उद्यम विभाग के सचिव के. मोसेस चालई ने किया। इस अवसर पर उन्होंने सामान्य प्रयोजन प्रौद्योगिकियों पर संक्षेप में चर्चा की। चालई ने चौथी औद्योगिक क्रांति को एक राष्ट्रीय

मिशन के रूप में अपनाने के महत्व पर बल दिया। मंत्रालय ने कहा कि इस कार्यशाला में ऊर्जा, बिजली, निर्माण, बुनियादी ढांचा, दूरसंचार और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में उद्योग 4.0 तकनीकों को अपनाने और उनका विस्तार करने की रणनीतियों पर चर्चा की गयी।

जीनियस कानून से मजबूत होगा डॉलर, भारत पर भी पड़ेगा असर

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स' (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिये। इससे देश में स्टेबलकॉइन्स को आधिकारिक मान्यता मिल गयी है। स्टेबलकॉइन क्रिप्टो करेंसी की वह श्रेणी है जिसका मूल्य डॉलर या सोने जैसी किसी अपेक्षाकृत स्थिर एसेट के आधार पर निर्धारित होता है। इसलिए, इसमें बिटकॉइन तथा ऐसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तरह बड़ा उथल-पुथल देखने को नहीं मिलता है।इस कानून के लागू होने के दो बड़े प्रत्यक्ष प्रभाव होंगे। एक रिजर्व के रूप में डॉलर की मांग बढ़ेगी और दूसरा अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड मजबूत होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि कानून में यह प्रावधान है कि स्टेबलकॉइन जारी करने वालों को शत-प्रतिशत लिक्विड एसेट का रिजर्व बनाना होगा। वे अमेरिकी डॉलर या अल्पावधि वाले ट्रेजरी बॉन्ड का रिजर्व तैयार कर सकते हैं। ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए हर महीने रिजर्व का खुलासा करना अनिवार्य होगा। कानून में धोखाधड़ी रोकने के उपाय भी किये गये हैं।इस कानून से राष्ट्रपति ट्रंप ने निजी और देश हित दोनों को साधने का प्रयास किया है। पिछले कुछ समय में उनके पारिवारिक कारोबार ने स्टेबलकॉइन में अधिक रुचि दिखायी है। वहीं, हाल के समय में अमेरिकी डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ने के प्रभाव को समाप्त करने में भी इससे मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने राजस्थान में 435 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का किया उद्घाटन

एजेंसी

फलोदी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यहां 435 मेगावाट के सौर संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन?होंने इसे गति और स्थायित्व का आदर्श बताया। जोशी ने कहा कि राजस्थान की लगभग 70 फीसदी बिजली क्षमता अब नवीकरणीय ऊर्जा से आती है।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने राजस्थान में फलोदी जिले की बाप तहसील में जेलेस्ट्रा इंडिया द्वारा विकसित 435 मेगावाट की गोरबिया सौर ऊर्जा परियोजना के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। इस अवसर पर उन?होंने कहा, हमारे द्वारा उत्पादित प्रत्येक मेगावाट के साथ, हम केवल बिजली का उत्पादन ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि एक नए भारत का निर्माण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना परिवर्तन की गति और पैमाने को दर्शाती है। जोशी ने बताया कि राजस्थान की लगभग 70 फीसदी बिजली क्षमता अब नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त होती है, जिसमें 35.4 गीगावाट से अधिक

स्थापित क्षमताएं, 29.5 गीगावाट सौर ऊर्जा से और 5.2 गीगावाट पवन ऊर्जा से हैं। उन्होंने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के विकास में राज्य की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना ने किसानों को भारत की ऊर्जा यात्रा में भागीदार बना दिया है, क्योंकि उपयोग की गई भूमि उनसे पट्टे पर ली गई है, जिससे उन्हें स्थिर आय प्राप्त हो रही है। इसके निर्माण के दौरान 700 से अधिक स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिला, जिससे आजीविका सृजन और कौशल विकास में योगदान मिला। पिछले आठ महीने से भी कम समय में बनकर तैयार हुई यह सौर ऊर्जा परियोजना 1250 एकड़ में फैली है, जो भारतीय सौर ऊर्जा निगम के साथ 25 साल के विद्युत क्रय समझौते द्वारा समर्थित है। ये परियोजना सालाना 755 गीगावाट घंटे स्वच्छ बिजली पैदा करेगी, जिससे लगभग 1.28 लाख घरों को बिजली मिलेगी और हर साल लगभग 7.05 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। जोशी ने नीतिगत और निवेश सुधारों में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सराहना की। उन?होंने कहा कि पिछले वर्ष 6.57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश प्रतिबद्धताओं पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान में 49,000 से अधिक रूफटॉप स्थापनाएं पूरी हो चुकी हैं और 325 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई है।

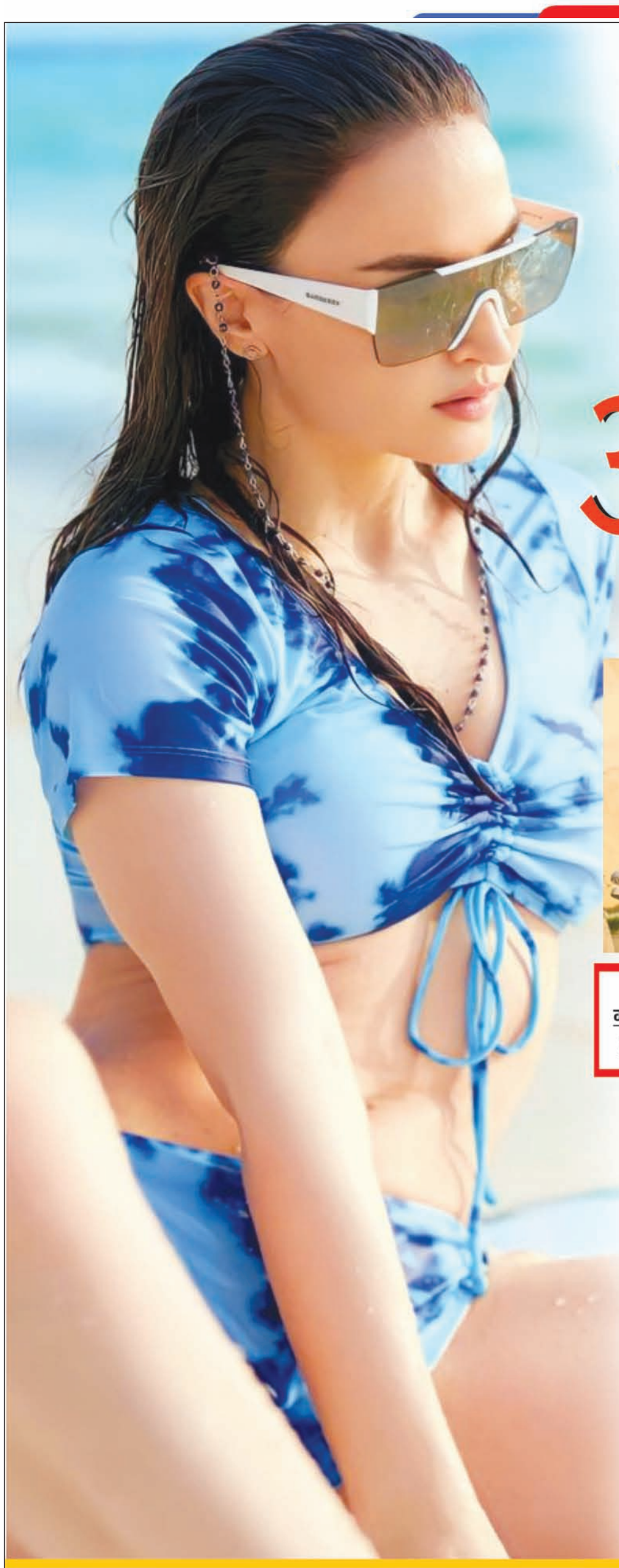

आशीष चंचलानी और

एली अवराम

की डेटिंग का सच आया सामने, यूजर्स ने लगाई क्लास

आशीष चंचलानी और एली अवराम की वायरल हुई तस्वीर का सच सामने आ गया है. दोनों की साथ वायरल हुई तस्वीर के बाद सभी ये समझ रहे थे कि ये दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. लेकिन अब इन खबरों पर फुल स्टॉप लग गया है.

आशीष चंचलानी और एली अवराम ने बीते दिनों साथ में एक खूबसूरत तस्वीर शेयर कर अपनी डेटिंग की खबरों को हवा दी थी. शेयर किए गए पोस्ट के बाद से दोनों को कई इवेंट्स में साथ भी देखा गया. दोनों ने सोशल मीडिया पर साथ में कई वीडियो भी शेयर किए. हर कोई इस बात पर यकीन कर बैठा था कि इन दोनों के बीच प्यार भरा रिश्ता है. लेकिन अब आशीष और एली की सामने आई तस्वीर का सच सामने आ गया है.

आशीष और एली ने आज एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें एक्ट्रेस उनकी गोद में नजर आ रही थीं. दोनों एक-दूसरे को गले लगा रहे थे और खूब प्यार भी लुटा रहे थे. वीडियो के साथ उन्होंने एक लिंक भी शेयर किया और हैरानी की बात है कि यह उनके नए प्रोजेक्ट का टीज़र था. आशीष चंचलानी और एली अवराम पर फिल्माया गया एक रोमांटिक गाना चंदनिया, एल्बम मास्टर ऑफ़ मेलोडी का हिस्सा है. इस गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है, मिथुन ने कंपोज किया है और सईद क़ादरी ने लिखा है.

आशीष और एली का गाना हुआ रिलीज

गाना यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है. जैसे ही गाना रिलीज हुआ, फैन्स ने इस पर रिएक्शन देना शुरू कर दिया. एक ने लिखा, 'ये ले भाई, प्रैंक हो गया.' एक अन्य ने टिप्पणी की, 'इस आदमी ने लाखों लोगों के साथ सक्सेसफुल प्रैंक किया.' एक तीसरे यूजर ने शेयर किया, 'दुनिया से भरोसा उठ गया.' गाने के कमेंट सेक्शन में लोगों के लगातार रिएक्शन आए जा रहे हैं.

गाने के रिलीज़ होने के कुछ घंटों बाद, आशीष ने एक और मज़ेदार स्टोरी पोस्ट की, जिसमें उन नेटिज़न्स की खिंचाई की गई, जो सोच रहे थे कि वह एली अवराम को डेट कर रहे हैं. उन्होंने अपनी एक क्लिप शेयर की, जिसमें वे कह रहे हैं, ऐ कटा !आशीष चंचलानी एक पॉपुलर इंडियन कॉमेडियन और यूट्यूब पर्सनैलिटी हैं. जो अपने हास्य वीडियो और पैरोडी के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी कॉमेडी और कॉमेडी कैरेक्टर के चलते पहचान हासिल की है.

सलमान की एक्स गर्लफ्रेंड संगीता बिजलानी के फार्म हाउस में हुई चोरी, चोरों ने मचाई जमकर तोड़फोड़

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस और सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड संगीता बिजलानी के पुणे में स्थित मावल इलाके में मौजूद फार्म हाउस में चोरी होने की खबर सामने आई है. एक्ट्रेस जब अपने फार्म हाउस पर पहुंचीं तो वहां की हालत देखकर दंग रह गई. संगीता के फार्म पर चोरों ने जमकर तोड़फोड़ कर रखी थी. दरअसल एक्ट्रेस करीब 4 महीने बाद जब अपने टिकोना गांव स्थित फार्म हाउस पहुंचीं, तो वहां का नजारा देख उनके होश उड़ गए. फार्म का मेन दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर भी तोड़फोड़ कर रखी थी.संगीता ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी. पुलिस ने अब मामले की जांच शुरू कर दी है, इस घटना के बारे में तब पता चला जब एक्ट्रेस कई महीनों बाद अपने फॉर्महाउस पर पहुंचीं. पुणे ग्रामीण पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक एक्ट्रेस संगीता बिजलानी ने कहा, ' फॉर्महाउस के मेन गेट और खिड़की की ग्रिल टूटी हुई थी. एक टीवी सेट गायब था, बिस्तर और रेफ्रिजरेटर सहित कई घरेलू सामान के साथ सीसीटीवी कैमरे के साथ तोड़फोड़ की गई है.

संगीता के फार्म हाउस का मेन गेट मिला टूटा हुआ

संगीता ने पुणे ग्रामीण एसपी संदीप सिंह गिल को शिकायत में कहा, 'मैं अपने पिता की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण फार्म हाउस नहीं जा पाई थीं. आज मैं अपनी दो हाउसहेल्प के साथ फार्म हाउस गई थी. वहां पहुंचते ही मुझे यह देखकर झटका लगा कि मेन गेट टूटा हुआ था. जब हम अंदर गए तो खिड़की की ग्रिल टूटी हुई थी, एक टीवी सेट गायब था और दूसरा टूटा हुआ था.

चोरी के साथ-साथ फार्म हाउस में मचाई तोड़फोड़

इसके अलावा उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि चोरों ने टॉप फ्लोर पर काफी तोड़फोड़ की है. सभी बिस्तर टूटे हुए थे, और कई घरेलू सामान और कीमती सामान चोरी हो गए. सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है चोरों ने ना सिर्फ लूट मचाई है बल्कि जमकर तोड़ फोड़ भी की है. अभी पुलिस फुटेज के जरिए चोरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है और सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है.

एक्स-गर्लफ्रेंड की खातिर जैकी श्रॉफ से भिड़ गए थे सलमान खान! सेट पर पहुंचकर मचाया था बवाल

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर सलमान खान की इंडस्ट्री में कई सेलेब्स के साथ बहुत अच्छी देती है. वही कई सेलेब्स के साथ सलमान खान का पंगा भी हुआ है. जबकि सलमान दिग्गज एक्टर जैकी श्रॉफ से भी उलझ चुके हैं. सालों पहले एक फिल्म के सेट पर सलमान और जैकी के बीच कहासुनी हो गई थी. इसकी वजह थीं मशहूर एक्ट्रेस संगीता बिजलानी. आइए जानते हैं कि सलमान और जैकी के बीच आखिर संगीता को लेकर किस बात पर लड़ाई हो गई थी ?सलमान खान और जैकी श्रॉफ आज बेहद अच्छा रिश्ता शेयर करते हैं. सलमान शुरू से ही जैकी को अपना मेंटोर मानते रहे हैं और उनके लिए सलमान के दिल में काफी इज्जत भी है. वहीं जैकी भी सलमान को अपने बेटे की तरह मनाते हैं. लेकिन, एक बार सलमान ने एक गलतफहमी के चलते जैकी श्रॉफ से झगड़ा कर लिया था. संगीता द्वारा सफाई पेश करने के बाद सलमान का गुस्सा शांत हुआ था.

संगीता के साथ रिश्ते में थे सलमान

सलमान कभी संगीता बिजलानी के साथ रिश्ते में थे और दोनों का लंबा अफेयर चला था. दोनों की शादी भी होने वाली थी. कार्ड्स भी छप चुके थे, हालांकि फिर दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद संगीता ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन से 1996 में शादी कर ली थी, लेकिन उनका साल 2010 में तलाक हो गया था. जबकि सलमान आज तक कुंवारे हैं.

सेट पर हुई थी सलमान-जैकी की लड़ाई

सलमान खान ने साल 1988 में आई फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' से एक्टिंग डेब्यू किया था. इससे पहले उन्होंने 1988 में ही रिलीज हुई फिल्म 'फलक' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था. इसमें जैकी श्रॉफ लीड रोल में थे. यहीं से सलमान और जैकी के बीच अच्छा रिश्ता बन गया था. लेकिन, संगीता की वजह से बात बिगड़ गई थी.

जैकी ने सलमान की एक्स गर्लफ्रेंड संगीता के साथ 'इज्जत', 'लक्ष्मण रेखा' और 'त्रिदेव' जैसी फिल्मों में काम किया था.साथ काम करने के दौरान जैकी और संगीता की बॉन्डिंग बेहद अच्छी हो गई थी. तब ये खबरें भी आई कि दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे हैं. इन अफवाहें से सलमान का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया था. ढ्रक्रटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान एक फिल्म के सेट पर जैकी से लड़ने पहुंच गए थे. दोनों के बीच हाथापाई हो गई थी. लेकिन, संगीता ने सलमान को समझाया और बताया कि डेटिंग की खबरें महज अफवाह हैं, ऐसा कुछ नहीं है. तब जाकर सलमान का गुस्सा ठंडा हुआ.

श्वेता तिवारी

को छोड़िए, 44 साल की करीना कपूर की खूबसूरती के आगे सब फेल, फैंस बोले- क्या खूब लगती हो...

श्वेता तिवारी छोटे पर्दे की दुनिया का बड़ा नाम हैं. हालांकि वो अपने काम से ज्यादा अपनी खूबसूरती और फिटनेस को लेकर चर्चा में छाई रहती हैं. 44 साल की श्वेता अपनी फिटनेस के चलते लोगों को मोटिवेट करती हुई नजर आती हैं. वहीं श्वेता के लुक्स भी चर्चा का हिस्सा बने रहते हैं. लेकिन खूबसूरती के मामले में करीना कपूर खान भी कम नहीं हैं. 44 साल की करीना बेहद ग्लैमरस और हसीन हैं.करीना और श्वेता ने एक साथ फिल्म सिंघम अगेन में काम किया है.

हालांकि श्वेता अजय देवगन के साथ पुलिस की टीम में शामिल नजर आई, तो करीना ने अजय की पत्नी का रोल निभाया था. दोनों ही एक्ट्रेस अपने ग्लैमरस अंदाज से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं. इसी बीच करीना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखने के बाद एक बार फिर से फैन्स अपना दिल हार बैठे हैं.

करीना कपूर का ग्लैमरस अंदाज

करीना की इस फैमिली ट्रिप से लेटेस्ट फोटोज आए दिन सामने आ रही हैं. बीते दिन करीना ने पीले रंग की ब्रालेट और लुंगी के साथ बीच से अपनी तस्वीरें शेयर कीं. एक्ट्रेस ने काले चश्में और कैप लगातार एक से बढ़कर एक पोज भी दिए. करीना की खूबसूरती से उनकी उम्र का अंदाजा लगाया बेहद मुश्किल है.

इन तस्वीरों के साथ करीना ने कैप्शन में लिखा है, क्या ग्रीस में लुंगी डांस किया जा सकता है.

करीना का लुक देख फैन्स हुए दीवाने

करीना कपूर खान की इन फोटोज पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट की बारिश कर दी है. एक यूजर ने कमेंट में लिखा, क्या खूब लगती हो, बड़ी सुंदर दिखती हो. एक ने लिखा, लुकिंग नाइस करीना. किसी ने क्वीन कहा तो किसी ने दिलों की धड़कन. एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ करने में फैन्स ने जरा भी कसर नहीं छोड़ी. दो बच्चों की मां होने के बाद भी करीना का ग्लैमरस अंदाज सभी को दीवाना बनाने के लिए काफी है. करीना लगातार अपनी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं. अपनी अगली फिल्म में एक्ट्रेस साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आने वाली हैं.

जागृति फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भमलादा में लगाया पौधों का लंगर

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

आज ग्रीन मिशन प्रोजेक्ट व जागृति फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के ध्वज तले ब्लॉक धारकलां के विभिन्न गांवों पौधों का लंगर समारोह का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रिंसिपल डा. बी.एस.मनहास के नेतृत्व में आयोजित इस लंगर समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में धर्मवीर दैरु जिला वन अधिकारी पठानकोट व विशेषतिथि जतिंदर कुमार हॉर्टिकल्र अधिकारी, प्रभात सिंह जो लीची किंग पंजाब के रूप में जाने जाते हैं ने शिरकत की। जिला वन अधिकारी धर्मवीर दैरु ने अपने संबोधन में कहा कि अपने आस पास अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाओ। उन्होंने कहा की आज इस समारोह में जो पौधे आपको वितरित किये जा रहे हैं उनको अपनी भूमि पर जाकर

लगाओ और पेड़ बनने तक पूर्ण देखभाल इनकी करो। इसे जहां आपका इर्द गिर्द हरा भरा और शुद्ध पर्यावरण होगा वही फलदार पौधे आपको कमाई भी देंगे। उन्होंने फलदार व औषधि के पौधे जरूर लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने धान व फूलों की फासलों को बन्दरों के उजाड़े से बचाने के लिए सुझाव दिए। ट्रस्टी शमी चौधरी ने जिला पठानकोट के सबसे पिछड़े क्षेत्र ब्लॉक धारकलां के विकास हेतु जागृति फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के अनमोल योगदान व वचनबद्धता प्रति विस्तार से बताया। आज इस समारोह में ब्लॉक धारकलां के तीन गांव भमलाधा, कुई व चिब्बड़ के लिए 1500 फलदार पौद वितरित किये गए। इस मौके पूर्व तहसीलदार यश पाल शर्मा, राजकुमार शर्मा, जगदीश राज सैनी, किसान चरंजीत सिंह चन्नी, उमेश कुमार, सह रजिस्ट्रार राजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

नूरपुर क्षेत्र में आयोजित होगा विज्ञान (तेल एवं घी) माप निरीक्षण कैंप

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर क्षेत्र के आस-पास के लोगों के लिए एक विशेष माप निरीक्षण शिविर का आयोजन 23 जुलाई से 25 जुलाई 2025 तक निरीक्षक विधिक माप विज्ञान (तेल एवं घी) नूरपुर डिवीजन विनोद कुमार के नेतृत्व में किया जाएगा। यह कैंप निरीक्षक कार्यालय नूरपुर में आयोजित होगा।इस शिविर में नूरपुर की सीमावर्ती बाजारों एवं ग्रामीण इलाकों के लोग अपने इलेक्ट्रॉनिक/मैनुअल तराजू और बाटों की सत्यता को प्रमाणित करवाने के लिए निरीक्षक कार्यालय में उपस्थित हो सकते हैं। निरीक्षण के दौरान अस्वीकृत या अनुपयुक्त उपकरणों का उपयोग नहीं किया जाएगा। विनोद कुमार ने बताया कि शिविर में कार्यवाही विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 और संबंधित नियमों के तहत की जाएगी। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को स्वयं अपने उपकरणों सहित उपस्थित होना अनिवार्य है।

न्यूज फ्लैश

जल शक्ति विभाग विश्राम गृह में आसमानी बिजली गिरने से एसी में ब्लास्ट होने की वजह से लगी आग

दिव्य दिल्ली : ऊषा जरियाल (जवाली)

उप मंडल जवाली के अंतर्गत जल शक्ति विभाग के विश्रामगृह जवाली में सुबह लगभग 9 बजे के करीब जल शक्ति विभाग विश्रामगृह की दूसरी मंजिल के एक कमरे में देर रात आसमानी बिजली गिरने की वजह से ए सी में ब्लास्ट होने की वजह से आग लग गई और कमरे में धुआँ ही धुआँ हो गया` कमरे के बाहर निकलते धुंए को चौकीदार ने देखते ही कमरे की ओर भागा तो दरवाजा खुल नहीं रहा थो उसके उपरांत चौकीदार ने तुरंत फायर ब्रिगेड जवाली की टीम को सूचना दी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड जवाली की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए जैसे ही विश्रामगृह की दूसरी मंजिल के कमरे में पहुंचे तो कमरे की गर्म हीट से दरवाजा खुल नहीं रहा थो`फायर ब्रिगेड की टीम ने कुछ लोगों की मदद के साथ दरवाजे को जोरदार धक्के से खोला तथा अंदर लगी आग पर काबू पाया` एसडीओ जल शक्ति विभाग पवन कौडल ने जानकारी देते हुए बताया कि देर रात लाइटिंग होने की वजह से इस कमरे में एसी में स्पार्किंग की वजह से आग लगने का कारण हो सकता है उन्होंने कहा कि अभी इसके बारे में पता नहीं चल रहा विद्युत विभाग के कर्मचारी बुलाए गए हैं तथा जानकारी हासिल की जा रही है उन्होंने कहा कि विश्रामगृह की सारी वायरिंग बिल्कुल ठीक है तथा आग लगने की जांच जारी है उन्होंने बताया कि कमरे में लगभग 2 लाख का नुकसान हुआ है जिसमें फर्नीचरऔर एसी जल गए हैं वही जवाली फायर ब्रिगेड की टीम के मौके पर पहुंचने पर लाखों का नुकसान पर काबू पाने में सफल हुए हैं

भारी बारिश ने दिखाया अपना रंग

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर पहाड़ों में हो रही बरसात का असर दिखने लगा मैदानी इलाके में,सुबह से ही शुरू हुई बरसात के कारण हिमाचल से पंजाब में दाखिल हो रहा चक्की दरिया उफान पर,पंजाब हिमाचल को जोड़ने वाला ऐयरपोर्ट एन्क्लेव रोड पानी के तेज बहाब में एक भाग बहा,चक्की दरिया के ऊपर मौजूद जम्मू पठानकोट जालंधर व दूसरे राज्यो को जोड़ने वाला रेलवे ब्रिज का भी अस्तित्व खतरे में,रोड़ को पूरी तरह किया गया बंद क्या सड़क मार्ग से जुड़े हुए हैं हिमाचल की तीन पंचायतों के हजारों लोगों का संपर्क शेष दुनिया से कट गया है

इन पंचायत के तहत स्कूल जाने वाले छात्र छत्रों के साथ-साथ बीमार लोगों के लिए भारी कठिनाई का समय शुरू हो गया है याद रहे पिछले वर्ष भी यह सड़क बह जाने के कारण उच्च अधिकारियों को सेना से सेना क्षेत्र से होकर लोगों को आने जाने की अनुमति लेनी पड़ी थी इस विषय को लेकर जब एसडीएम इंदौरा सुरेंद्र ठाकुर से बात की गई तो उन्हें कहा कि मैं लोक निर्माण विभाग की टीम के साथ मौके पर जा रहा हूं जल्दी ही सेना व पठानकोट प्रशासन से बात कर लोगों के लिए रास्ता उपलबध करवा दिया जाएगा

पर्याप्त वर्षा न होने व निचले क्षेत्रों में सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ने से रणजीत सागर बांध परियोजना की झील का जलस्तर कम हुआ

प्रतिदिन 80 लाख बिजली यूनिट उत्पादन होने के कारण, दस सेंटीमीटर प्रतिदिन जलस्तर कम हो रहा

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पिछले कई दिनों से पर्याप्त वर्षा न होने व निचले क्षेत्रों में सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ने के साथ बिजली की भी मांग बढ़ने पर , रणजीत सागर बांध परियोजना की झील में जलस्तर लगातार कम हो रहा है तथा प्रतिदिन 80 लाख बिजली यूनिट उत्पादन होने के कारण, दस सेंटीमीटर प्रतिदिन जलस्तर कम हो रहा है। बांध प्रशासन अनुसार, यह बात ठीक है कि पिछले कुछ दिनों से गर्मी बढ़ने व निचले क्षेत्रों में धान की फसल के लिए सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ने से बांध परियोजना के चारो यूनिटों को चला कर 325 मेगावाट बिजली उत्पादन ले कर 14593 क्यूसेक पानी का बहाव बैराज बांध की झील में छोडा जा रहा है, जिससे बैराज बांध शाहपुर

कंडी की झील लबालब हो कर इस समय 399 .40 मीटर तक जलस्तर पहुंच गया है। बांध प्रशासन अनुसार, इस समय चमेरा प्रोजेक्ट से रणजीत सागर बांध परियोजना की झील में 9907 क्यूसेक पानी का बहाव आ रहा है तथा रणजीत सागर बांध परियोजना से चारों यूनिट को चला कर प्रतिदिन 80 लाख से ऊपर बिजली यूनिट उत्पादन करके, बैराज बांध की झील में काफी मात्रा में पानी को छोडा जा रहा है। बांध परियोजना की झील में इस समय जलस्तर 504. 80 मीटर तक आ गया है, जबकि एक सप्ताह पहले यह जलस्तर 505 .30 मीटर तक था, जिससे प्रतिदिन दस सेंटीमीटर तक जलस्तर कम हो रहा है। बैराज बांध से माधोपुर की तरफ इस समय 9581 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे यूबीडीटी नहर में 8312 क्यूसेक , कश्मीर कैनाल में 769 क्यूसिक इस्लामपुर फीडर नहर में तीन सौ क्यूसेक,बसंतपुर कैनाल में दो सौ क्यूसेक पानी छोडा जा रहा है। बांध प्रशासन अनुसार, इस समय पूरे पानी का सदुपयोग लिया जा रहा है तथा पाकिस्तान की तरफ पानी की एक भी बूंद नहीं छोड़ी जा रही है।

हिमाचल प्रदेश हैंडबॉल संघ के चुनाव सोलन के पाइनवुड होटल में संपन्न हुए

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (सोलन)

हिमाचल प्रदेश हैंडबॉल संघ के चुनाव सोलन के पाइनवुड होटल में संपन्न हुए। सर्वसम्मति से संपन्न हुए चुनाव में सोलन जिला के देशराज ठाकुर को अध्यक्ष, कुल्लू जिला के अजय प्रताप कालरा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंडी के अशोक कुमार, सिरमौर के वीरेंद्र कुमार शर्मा, सोलन के राजेश शर्मा तथा शिमला की कमलेश शर्मा को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त सोलन जिला के इंजीनियर कमल पाल तथा शिमला जिला के इंजीनियर राजेश ठाकुर को एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया। महासचिव पद पर बिलासपुर के नंदकिशोर तथा

हमीरपुर जिला के जग सिंह ठाकुर निर्विरोध कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। मंडी जिला के अशोक गौतम, कुल्लू जिला के अनुज चौधरी, बिलासपुर जिला के विवेक पठानिया, हमीरपुर जिला के अजय रिंटू शर्मा तथा शिमला जिला की शिवानी नेगी को संयुक्त सचिव चुना गया। कार्यकारी सदस्यों में कांगड़ा के पुनीत कुमार, किन्नौर जिला के नितेश नेगी को तथा सिरमौर जिला के आदर्श ठाकुर को निर्विरोध चुना गया।इसके अतिरिक्त नवनियुक्त कार्यकारिणी ने प्रदेश में हैंडबॉल खेल के उत्थान के लिए विभिन्न उपसमितियों का भी गठन किया। एथिक्स कमीशन का अध्यक्ष हमीरपुर से तेज प्रकाश चोपड़ा को नियुक्त किया गया। टेक्निकल कमेटी के अध्यक्ष डॉ प्रवेश मोंटी शर्मा को, संयोजक प्रोफेसर लोकेश शर्मा तथा सह-संयोजक कांगड़ा के संदीप मित्तल को नियुक्त किया गया। एथलीट कमिशन का अध्यक्ष बिलासपुर के राजेश शर्मा को, संयोजक सिरमौर जिला के हुकुमचंद को तथा सह-संयोजक ऊना जिला के देवन शर्मा को नियुक्त किया गया।

श्री मणि महेश सेवा समिति द्वारा 26वां भंडारा आयोजित

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

श्री मणि महेश सेवा समिति जुगियाल पठानकोट की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री मणिमहेश शिव कुंड डल्ल पर 26 वां वार्षिक भंडारा आयोजन ,रात्रि विश्राम ,चिकित्सा व्यवस्था, शौचालय व्यवस्था व अन्य सुविधाओं को ले कर समिति के फाऊंडर

चेयरमैन विपिन महाजन की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक की शुरूआत से पहले भगवान श्री भोले नाथ जी की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित किया गया व पूरे विश्व के लिए शाति व विकास के लिए आराधना की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि, पावन श्री मणि महेश जी यात्रा के सबंध में उनकी समिति की ओर से 12 अगस्त से 23 अगस्त तक, श्री मणि महेश जी के पावन स्थल पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ आने जाने शिव भक्तों के लिए लंगर, ठहरना, शौचालय, चिकित्सा सुविधा व अन्य जरूरी सेवाएं प्रदान की जाएगी। समिति के फाउंडर चेयरमैन विपिन महाजन ने बताया की इसके साथ ही भंडारा आयोजन की तैयारियों की समीक्षा , वार्लाटियरों की ड्यूटी लगाई गई। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही विभिन्न समिति सदस्यों की अलग-अलग टीमों का गठन करके,उनकी, ड्यूटी लगाई गई । इसी श्रृंखला के तहत इस बार 26 वां वार्षिक भंडारे का आयोजन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है ।उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि ,वह इस यात्रा में मौसम किसी भी समय बदलता है इसलिए गर्म कपड़े टॉर्च बरसाती छड़ी साथ जरूर रखें। बैठक में समिति के अध्यक्ष विजय मल्होत्रा ,महामंत्री हैप्पी सिंह रानीपुर, उपाध्यक्ष जगदीश सिंह मिंट्ठू, सुनंदन रानीपुर बासा, सोमराज शरीफ चक,मनजीत सिंह कोट सचिव, सनोज सैनी फुल प्यारा ,सरपंच रिशु सिंह रानीपुर उपरला ,सरपंच मनोज सिंह,शैली पठानिया करौली, बंटी मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष राजेश महाजन ,स्वर्ण सिंह, व अन्य समिति के सदस्य उपस्थित थे।

राशन डीलर अपनी मांगों को लेकर कर रहे हड़ताल

इटावा। सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के अध्यक्ष के निर्देश पर जिले के समस्त राशन डीलरों ने दुकानों को बंद रखकर हड़ताल का समर्थन किया जिससे आज से राशन का वितरण नहीं हो सका। सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के अध्यक्ष अशोक मेहलोत्रा द्वारा जिले के समस्त कोटेदारों को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अपनी-अपनी दुकाने बन्द करने का आवाहन कर हड़ताल में शामिल होने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में समस्त राशन डीलरों ने लगभग 6 माह ससे उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा लाभांश नहीं दिया गया। माह जनवरी एवं माह फरवरी

के बाजरा का लाभांश नही दिया गया। नवम्बर 2021 का भुगतान नहीं किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राशन दुकानदारों को 10 रुपये कुंतल लाभांश दिया जा रहा है जबकि अन्य प्रदेशो राजस्थान, गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश, हरियाणा में 200 रुपये कुंतल भाडा दिया जा रहा है।

जबकि भारत सरकार द्वारा वन नेशन वन राशन की व्यवस्था लागू की जा चुकी है। फिर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 80 हजार राशन दुकानदारों के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी के आदेश पर माह नक्बर 2021 को फ्री राशन बटवाया गया जबकि खाद्यान के रुपये बैंक में जमा कराया गया था ।

वह पैसा वापिस अभी नहीं मिला दिलाया गया आदि मांगों को लेकर अपनी दुकानों को बंद रखकर हड़ताल रखी। विदित हो कि 20 जुलाई से डीलरों को विभाग द्वारा राशन वितरण के आदेश दिए गए थे।

हड़ताल में सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्र शेखर प्रजापति, जिलाध्यक्ष महेश बाबू, नगर अध्यक्ष दीपिका गुप्ता उपस्थित रहे।

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ पीड़ितों का हाल-चाल जाना

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया तथा शहर उत्तरी विधान सभा स्थित वार्ड दानियालपुर नवोदय पब्लिक स्कूल दनियालपुर में बाढ़ पीड़ितों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों को राहत सामग्री भी वितरित किया।

मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों को राहत शिविरों में स्थापित कराया जाए। राहत शिविर में रह रहे लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। मंत्री रविंद्र जयसवाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर प्रभावित लोगों की सूची बनाने तथा ऐसे लोगों को बुनियादी सुविधाये उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने राहत शिविरों में सफाई व्यवस्था के साथ ही चिकित्सा एवं खाने-पीने रहने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने पर विशेष जोर दिया।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

इटावा। गृहक्लेश से तंग आकर युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी करली। जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। गांव बीलमपुर के रहने वाले जबर सिंह के 20 वर्षिय बेटे विकास उर्फ कुद्दू शुक्रवार देर शाम को घर पर उसके पिता खेत पर पशुओं के पास थे उसकी माँ भी खेतों के तरफ चली गई तभी पत्नी से कुछ कहासुनी हो गई ।

राजपाल त्यागी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

गाज़ियाबाद । एमसीसी सिग्नेचर हाइट्स, राजनगर एक्सटेंशन के पूर्व अध्यक्ष विपिन त्यागी एवं पूर्व महासचिव मोनू कुमार त्यागी ने उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं छह बार मुरादनगर विधानसभा से विधायक रह चुके राजपाल त्यागी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए आज उनके स्थानीय निवास लोहिया नगर, गाज़ियाबाद जाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजपाल त्यागी का निधन 18 जुलाई 2025 को हुआ। वे समाजवादी पार्टी व बहुजन समाज पार्टी सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके थे तथा अपने क्षेत्र में एक सम्मानित और लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में जाने जाते थे। इस अवसर पर एमसीसी सिग्नेचर हाइट्स के गणमान्य सदस्यों मुनीदेव शर्मा, दिनेश त्यागी, संजय त्यागी, जोहरी त्यागी सहित अन्य लोगों ने भी श्रद्धांजलि दी और परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397